घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com **अम्बिकापुर, वर्ष 23, अंक - 06- शुक्रवार 06- नवम्बर 2026,पृष्ठ - 8+4 , मूल्य 2 रूपये** RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

मध्यप्रदेश से हरदीप पुरी निर्विरोध राज्यसभा सांसद चुने गए...

कांग्रेस के 100 से ज्यादा कमियों के दावे खारिज कटारे बोले...फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे

भोपाल,05 नवम्बर 2026। मध्यप्रदेश से केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी निर्विरोध राज्यसभा सांसद चुन लिए गए हैं। उनके निर्वाचन के साथ प्रदेश में राज्यसभा का संख्या समीकरण बदल गया है। अब 11 सीटों में भाजपा के 9 और कांग्रेस के 2 सांसद हैं। पुरी के नामांकन में 100 से ज्यादा कमियां होने का दावा करते हुए कांग्रेस ने आपत्तियां दर्ज कराई थीं। पत्नी के नाम,विदेशी संपत्तियों और बैंक खातों की जानकारी पर सवाल उठाए गए,लेकिन रिटर्निंग ऑफिसर ने सभी आपत्तियां खारिज कर दीं। उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही इलेक्शन पिटीशन (चुनाव याचिका) दायर की जा सकती है। उन्होंने कहा...आज शायद पुरी जी को निर्वाचित घोषित किया गया है। अब हमारी लीगल टीम हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दायर करेगी। राज्यसभा की यह सीट केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। उन्होंने 14 अक्टूबर को सदस्यता से इस्तीफा दिया था। इसके बाद निर्वाचन आयोग ने उपचुनाव की प्रक्रिया शुरू की। भाजपा ने 28 अक्टूबर को हरदीप सिंह पुरी को प्रत्याशी घोषित किया था। पुरी ने 31 अक्टूबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव,भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और अन्य पार्टी नेताओं की मौजूदगी में विधानसभा पहुंचकर नामांकन दाखिल किया था। कांग्रेस ने पुरी के शपथपत्र और नामांकन दस्तावेजों में 100 से ज्यादा कमियां होने का दावा किया था।



चुनाव आयोग का बड़ा फैसला : अब 6 राज्यों- केंद्र शासित प्रदेशों में होगा एसएसआर....

30 नवंबर को ड्राफ्ट,21 जनवरी 2027 में फाइनल लिस्ट आएगी

नई दिल्ली,05 नवम्बर 2026। भारत निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) की घोषणा की। इस प्रक्रिया का उद्देश्य पात्र मतदाताओं, खासकर युवाओं और पहली बार वोट देने वाले लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल करना है। आयोग के मुताबिक, अरुणाचल प्रदेश,चंडीगढ़,दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव, मिजोरम,ओडिशा और सिक्किम में यह अभियान चलाया जाएगा।

30 नवंबर को जारी होगी मसौदा मतदाता सूची

चुनाव आयोग के अनुसार, इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मसौदा मतदाता सूची 30 नवंबर को प्रकाशित की जाएगी। वहीं, अंतिम मतदाता सूची 21 जनवरी 2027 को जारी होगी। इस अभियान के तहत उन लोगों को भी पहले से आवेदन करने की सुविधा मिलेगी,जो 2027 में 1 अप्रैल,1 जुलाई और 1 अक्टूबर को मतदान के योग्य हो जाएंगे।



राज्यों को जरूरी संसाधन जुटाने के निर्देश

चुनाव आयोग ने संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को निर्देश दिया है कि वे इस प्रक्रिया को पूरा कराने के लिए पर्याप्त कर्मचारियों और जरूरी संसाधनों की व्यवस्था सुनिश्चित करें। चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट में मतदाताओं के पते एक समान तरीके से दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। इससे किसी मतदाता का घर और मतदान क्षेत्र पहचानने में आसानी होगी।

क्या है स्पेशल समरी रिवीजन?

स्पेशल समरी रिवीजन के तहत मौजूदा वोटर लिस्ट को अपडेट किया जाता है। इसमें नए पात्र मतदाताओं के नाम जोड़े जाते हैं और मतदाता सूची में मौजूद गलतियों को ठीक किया जाता है। यह स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन से अलग प्रक्रिया है। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन में मतदाताओं का घर-घर जाकर सत्यापन किया जाता है,जबकि स्क्र में मौजूदा मतदाता सूची को आधार बनाकर उसमें बदलाव किए जाते हैं।तेलंगाना शामिल हैं।

दिल्ली में 3 मंजिला निर्माणाधीन बिल्डिंग गिरी,2 की मौत

नई दिल्ली,05 नवम्बर 2026। दिल्ली के चांदनी चौक इलाके में गुरुवार सुबह तीन मंजिला निर्माणाधीन इमारत ढह गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई,जबकि चार लोग घायल हुए हैं। दिल्ली फायर सर्विस के मुताबिक, करीब 15 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। अधिकारियों के मुताबिक,घटना सुबह 9:50 बजे चावड़ी बाजार मेट्रो स्टेशन के पास गली सत्तारा में हुई। सूचना मिलने के बाद दमकल की 6 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। NDRF, दिल्ली पुलिस और एमसीडी की टीमें भी रेस्क्यू और सर्च ऑपरेशन में जुटी हैं। एमसीडी ने मामले में दो अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। इनमें असिस्टेंट इंजीनियर (बिल्डिंग) मोहम्मद नईम और जूनियर इंजीनियर (बिल्डिंग) अमन दलाल शामिल हैं। दिल्ली में इस साल इमारत गिरने का यह छठा बड़ा मामला है। इससे पहले 5 हादसों में 21 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें सत्य निकेतन और सीमापुरी हादसे शामिल हैं। जान गंवाने वालों में कई छात्र भी थे। एमसीडी के एक अधिकारी के मुताबिक, इमारत का निर्माण चल रहा था, लेकिन करीब 15 दिन पहले काम रोक दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट बोला-जंतर-मंतर हिंसा मामले में कम शिकायतें मिलीं

प्रदर्शनकारियों और पुलिस पर हमले के पर्याप्त सबूत नहीं,जांच कमेटी किसी नतीजे तक नहीं पहुंची

नई दिल्ली,05 नवम्बर 2026। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान हिंसा और पुलिस की ज्यादती की जांच कर रही कमेटी को अब तक बहुत कम शिकायतें मिली हैं। पर्याप्त सामग्री नहीं होने के कारण कमेटी फिलहाल किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी है। पूर्व जज जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी की अध्यक्षता वाली हाई पावर्ड इन्क्वायरी कमेटी ने कोर्ट को बताया कि शिकायतों के लिए पोर्टल और ईमेल की व्यवस्था करने के बावजूद लोगों ने बहुत कम शिकायतें दर्ज कराईं। 29 अक्टूबर को कमेटी की बैठक में सिर्फ एक शिकायतकर्ता हलफनामे के साथ पहुंचा था। कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को पीड़ितों की ओर से दाखिल वीडियो, याचिकाएं और हलफनामे कमेटी को भेजने की अनुमति दी। साथ ही निर्देश दिया कि कमेटी संबंधित पक्षों से जवाब लेकर नियमित अंतराल पर अंतरिम रिपोर्ट पेश करे। कमेटी की रिपोर्ट के मुताबिक, 13 अक्टूबर को शिकायत दर्ज कराने के लिए ऑनलाइन



पोर्टल शुरू किया गया था। इस पर शिकायतकर्ता को नाम, आधार नंबर या दूसरी पहचान संबंधी जानकारी देना जरूरी नहीं है। पोर्टल तक पहुंच सिर्फ कमेटी के चेयरमैन और संबंधित लोगों की है। कमेटी ने देशभर के 149 अखबारों में सार्वजनिक नोटिस प्रकाशित कर शिकायतें आमंत्रित की थीं। ईमेल, डाक और कार्यालय में सीधे शिकायत देने की सुविधा भी रखी गई थी। 17 अक्टूबर को प्रेस रिलीज जारी की गई और 21 अक्टूबर को दोबारा शिकायतें मांगी गईं। इसके बावजूद पोर्टल पर बहुत कम शिकायतें आईं और ईमेल, डाक या सीधे कार्यालय में कोई शिकायत नहीं मिली।

याचिकाकर्ताओं ने कहा...पहले ही सौंप चुके हैं शिकायतें

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश एडवोकेट वृंदा ग्रोवर ने कहा कि उन्होंने पोर्टल शुरू होने से पहले ही कमेटी को शिकायत दी थी। पोर्टल शुरू होने के बाद तय प्रक्रिया के तहत एक और शिकायत जमा कराई गई थी। सीनियर एडवोकेट गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में दाखिल वीडियो और दूसरी सामग्री कमेटी को भेजी जा सकती है, ताकि हर पीड़ित को अलग-अलग पेश न होना पड़े। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि जनहित याचिका दायर करने वाले तीसरे पक्ष के लोग पीड़ितों की संख्या के बारे में दावा कर सकते हैं, जबकि वास्तविक संख्या अलग हो सकती है। उन्होंने उदाहरण दिया कि कोई 50 पीड़ितों का दावा करे, लेकिन वास्तव में सिर्फ 5 पीड़ित हों। ग्रोवर ने कहा कि हिंसा के मामलों में एक भी एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। उन्होंने सवाल उठाया कि प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन चलाने की अनुमति किसने दी थी। उनके मुताबिक, कमेटी की रिपोर्ट में केंद्र सरकार ने इस मामले में कोई जानकारी नहीं दी है।

देश में सबसे पहले महाकाल के आंगन में शुरू होगा दीपोत्सव,दीपावली पर गर्भगृह में फुलझड़ी जलाएंगे पुजारी

उज्जैन,05 नवम्बर 2026। देशभर में दीपावली की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। परंपरानुसार देश में सबसे पहले मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकाल के आंगन में पांच दिवसीय दीपोत्सव की शुरुआत होगी। आज तड़के धनतेरस के अवसर पर महाकालेश्वर मंदिर में विशेष पूजन होगा। भगवान महाकाल को केवल आराध्य देव नहीं, बल्कि अवंतिका का राजा माना जाता है। यही वजह है कि मान्यता के अनुसार प्रजा से पहले राजा के दरबार में त्योहार मनाया जाता है। इस बार भी सदियों से चली आ रही इस परंपरा के तहत महाकाल के आंगन से दीपोत्सव का शुभारंभ होगा। पुरोहित समिति के सदस्य लोकेश व्यास ने गुरुवार को बताया कि शुक्रवार को धनतेरस के अवसर पर महाकालेश्वर मंदिर में परंपरानुसार विशेष पूजन किया जाएगा। पुजारी-पुरोहित भगवान महाकाल के साथ धन कुबेर और चांदी के सिक्कों का पूजन-अभिषेक करेंगे। बाबा महाकाल को चांदी का सिक्का भी अर्पित किया जाएगा। इस दौरान सुबह भस्म आरती में विशेष पूजन होगा। पंडे-पुजारी गर्भगृह में फुलझड़ी जलाकर दीपावली पर्व की शुरुआत करेंगे। उन्होंने बताया कि बताया कि पूजन में उज्जैन कलेक्टर रोशन सिंह, एसपी प्रदीप शर्मा सहित करीब दो दर्जन पंडे-पुजारी शामिल होंगे। इसी दिन सुबह करीब



नौ बजे नंदीहाल में पुरोहित समिति की ओर से गणपति और महालक्ष्मी पूजन के बाद भगवान महाकाल का पंचामृत और रुद्राभिषेक किया जाएगा। इस पूजन में सुख-समृद्धि, आरोग्य और विश्व कल्याण की कामना की जाएगी। महाकाल मंदिर की दीपावली दूसरे मंदिरों से कई मायनों में अलग होती है। यहां दीपावली सिर्फ दीप जलाने और आतिशबाजी तक सीमित नहीं है, बल्कि भगवान को परिवार के सदस्य और नगर के राजा के रूप में मानकर उनकी दिनचर्या में उत्सव को शामिल किया जाता है। धनतेरस से लेकर दीपावली तक विशेष पूजन,अभिषेक,शृंगार और भोग की परंपराएं निभाई जाती हैं। महाकाल मंदिर की मान्यता है कि उज्जैन के राजा भगवान महाकाल हैं। इसी परंपरा के चलते यहां हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहार नगरवासियों से पहले मंदिर में मनाए जाते हैं।

बीजेपी ने गोकुल डेयरी चुनाव में नियम बदले बहुमत के लिए 4 सरकारी निदेशक जोड़े : राहुल

नई दिल्ली,05 नवम्बर 2026। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र की गोकुल डेयरी के चुनाव को लेकर बीजेपी पर चुनाव के बाद नियम बदलकर बहुमत छीनने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसे दूध उत्पादकों के वोटों की चोरी बताया। राहुल गांधी ने गुरुवार को एक्स पर लिखा- गोकुल में दूध डेयरी चलाने वालों ने भाजपा को हरा दिया।



तो भाजपा ने चुनाव के बाद नियम बदल दिए। 4 डायरेक्टर ठूंसो, 12 को 16 बनाओ, बहुमत चुराओ। गोकुल दूध डेयरी में 19 अक्टूबर को 25 निदेशक पदों के लिए चुनाव हुआ था। इसमें कांग्रेस समर्थित पैनल को 13 और भाजपा नीत महायुति गठबंधन को 12 सीटें मिलीं थीं।

लोकतांत्रिक जनादेश कमजोर करने की कोशिश

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी महाराष्ट्र सरकार के फैसले की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार निर्वाचित बोर्ड की संरचना बदलकर चुनावी नतीजे को प्रभावित करना चाहती है। खेड़ा के मुताबिक, चुनाव में जीत के बाद महायुति समर्थित निदेशक बैठक से अनुपस्थित रहे, जिसके कारण अध्यक्ष का चुनाव नहीं हो सका। इसके बाद बॉम्बे हाईकोर्ट ने 10 नवंबर को नए चुनाव कराने का निर्देश दिया था। खेड़ा ने कहा कि निर्वाचित बोर्ड को काम करने देने के बजाय सरकार चार सरकारी निदेशकों को वोटिंग अधिकार के साथ शामिल करना चाहती है। कांग्रेस इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की बात कह रही है। कोल्हापुर जिला सहकारी दूध उत्पादक संघ को गोकुल डेयरी के नाम से जाना जाता है। इसके 25 निदेशक पदों के लिए 19 अक्टूबर को चुनाव हुआ था।

घुसपैठियों को पहले मतदाता सूची से बाहर करेंगे,फिर देश से : शाह

एसआईआर के मुद्दे पर संसद का विशेष सत्र बुलाने को तैयार केंद्र सरकार

चंडीगढ़,05 नवम्बर 2026। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत की मतदाता सूची व इस देश में घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं है। कांग्रेस तीन करोड़ घुसपैठियों को बचाने के लिए देशभर में रैलियां निकाल रही है। अमित शाह गुरुवार को करनाल में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' रैली को संबोधित कर रहे थे।

अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह प्रधानमंत्री को बहस की चुनौती देते हैं, लेकिन देश के मुद्दों पर संसद में चर्चा करने से बचते हैं। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा के लिए लोकसभा का विशेष सत्र बुलाने को तैयार है, लेकिन राहुल गांधी अपनी और अपने साथियों की यह गारंटी दें कि वे संसद में इस मुद्दे पर चर्चा से भागेंगे नहीं। अमित शाह ने कहा कि घुसपैठियों को बचाने के



लिए रैली करने वाली कांग्रेस 13 करोड़ वोट कटने का दावा करती है। जिसकी सच्चाई यह है कि 2.8 करोड़ मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी है। सवा छह करोड़ मतदाता ऐसे हैं जो दूसरे राज्यों में शिफ्ट हो चुके हैं। देश में एक करोड़ मतदाता ऐसे हैं जिनके तीन से ज्यादा स्थानों पर वोट थे। तीन करोड़ मतदाता ऐसे हैं जो न तो चुनाव आयोग के सामने आ रहे हैं और न ही धरातल पर दिखाई दे रहे हैं। इन्हीं घुसपैठियों को बचाने के लिए कांग्रेस सड़कों पर है। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार इन घुसैपठियों को पहले मतदाता सूची से बाहर करेगी और फिर देश से बाहर करेगी।

हाथ में संविधान लेकर चलने वाले संसद की बात सड़क पर करते हैं। संवैधानिक संस्था का सबसे अधिक अपमान करते हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर कांग्रेस के खिलाफ अभियान तेज करने के निर्देश देते हुए गृहमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है और देश की संवैधानिक संस्थाओं में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व खत्म हो रहा है।

देश की जनता राहुल गांधी,कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के साथ नहीं है...

शाह ने कहा कि देश की जनता राहुल गांधी,कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के साथ नहीं है। हमारी एक एक रैली में हजारों लोग होते हैं। आपने पूरे देश से दिल्ली में लोग बुलाए, 10 लाख लोगों का आह्वान किया। मैदान की क्षमता ही 70 हजार है,वो भी आधा खाली था। अब जनता आपके छलावे में नहीं आने वाली। गृहमंत्री ने कहा कि राहुल को पता है कि वह हारने वाले हैं, इसीलिए अपनी हार के लिए वह चुनाव आयोग और एसआईआर प्रक्रिया को दोष देते हैं। 2014 में एसआईआर कहां था? तब भी तो आपका पूरी तरह से सफाया हो गया था। 2019 में एसआईआर कहां था? तब भी आप हार गए थे। 2024 में भी कोई एसआईआर नहीं था,फिर भी आप हार गए। हरियाणा में कोई एसआईआर नहीं था। महाराष्ट्र में कोई एसआईआर नहीं था। आप हर जगह हार गए और अब आप दावा कर रहे हैं कि एक करोड़ वोट हटा दिए गए हैं! मैं राहुल को सीधे चुनौती देना चाहता हूं। आप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चर्चा के लिए चुनौती देते हैं न? अगर आप चर्चा करना चाहते हैं, तो बस प्रधानमंत्री मोदी को एक पत्र लिख दें। हम एसआईआर प्रक्रिया पर चर्चा करने के लिए संसद का एक विशेष सत्र बुलाने को तैयार हैं।

प्रतिभावान युवाओं को आज भरोसा है कि देश उनके साथ है : पीएम मोदी

नई दिल्ली,05 नवम्बर 2026। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार खेलों को विशेष प्राथमिकता दे रही है। आज भारत की ओर से प्रतिनिधित्व में कमी के कारण उपेक्षित रहे खेलों पर भी ध्यान दिया जा रहा है। हमारे पैरा स्पोर्ट्स इसका सबसे अच्छा उदाहरण हैं। प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एशियाई पैरा गेम्स 2026 में भाग लेने वाले भारतीय दल के साथ बातचीत की। इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने पैरा एथलीटों की प्रशंसा की और देशवासियों की ओर से उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि 2010 के पैरा एशियन खेलों में भारत ने बस 1 स्वर्ण और कुल 14 पदक जीते थे। इस बार यह आंकड़ा 114 है। यह यात्रा खिलाड़ियों के परिश्रम की पराकाष्ठा का परिणाम है। उन्होंने कहा, 'आज के दौर में यदि किसी युवा को अपनी प्रतिभा पर भरोसा है तो उसे यह विश्वास भी होता है कि पूरा देश उसके साथ खड़ा है। पैरा स्पोर्ट्स इसका सबसे अच्छा उदाहरण है।



खेल मंत्री बोले- खेलों के लिए पूरा सिस्टम तैयार किया जा रहा

कार्यक्रम में खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि भारत में खेलों को आगे बढ़ाने के लिए सिर्फ खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना काफी नहीं है। इसके लिए शुरुआत से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक तैयारी का पूरा सिस्टम बनाना जरूरी है। उन्होंने फिट इंडिया मूवमेंट और खेलो इंडिया जैसी योजनाओं का जिक्र किया। मांडविया ने कहा कि खेलो इंडिया के तहत 3,000 से ज्यादा खिलाड़ियों को सालाना 7 लाख रुपए की सहायता दी जा रही है।

अपनी सरकार के हाल ही में दिव्यांगजन की पेंशन बढ़ाए जाने के फैसले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हमने पेंशन के साथ दिव्यांगता का मानक 80 प्रतिशत से 40 प्रतिशत कर दिया है। पहले पेंशन के लिए 18 वर्ष की आयु होना जरूरी था। अब जन्म से ही पात्र दिव्यांग बच्चों के लिए पेंशन का रास्ता खोल दिया गया है। पैरा खेलों की उपलब्धि का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार 30 स्वर्ण, 35 रजत, 49 कांस्य के साथ 5 नए विश्व रिकॉर्ड, 9 एशियाई रिकॉर्ड भारत ने बनाए हैं। इस बार 56 महिला खिलाड़ियों में से 34 बेटियां मेडल विजेता बनी हैं।

वहीं 4 स्पर्धाओं में पोडियम पर तीनों जगह भारतीय खिलाड़ी थे। प्रतियोगिता के आखिरी दिन देश ने 9 गोल्ड मेडल जीते। कार्यक्रम में एथलीट, कोच, भारतीय पैरालंपिक समिति और भारतीय ओलंपिक संघ के अधिकारी, राष्ट्रीय खेल संघों के प्रतिनिधि एवं युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के अधिकारी शामिल रहे। उल्लेखनीय है कि भारत ने इस वर्ष जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियाई पैरा खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया।

एसआईआर का विरोध कर रही कांग्रेस ने खोया जनता का विश्वास : अश्विनी वैष्णव

जयपुर, 05 नवम्बर 2026। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मतदाता सूची को शुद्ध एवं प्रमाणिक बनाने के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) आवश्यक प्रक्रिया है, लेकिन कांग्रेस इसका विरोध कर भ्रम और दुष्प्रचार फैला रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता का विश्वास खो चुकी है और अब लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने का प्रयास कर रही है। वैष्णव गुरुवार को जयपुर के रामलीला मैदान में भाजपा के 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एसआईआर कोई नई प्रक्रिया नहीं है। वर्ष 1947 के बाद विभिन्न सरकारों के कार्यकाल में कई बार यह प्रक्रिया अपनाई गई है। दिवंगत व्यक्तियों के नाम हटाना, स्थान परिवर्तन करने वाले मतदाताओं के नाम संशोधित करना और एक से अधिक स्थानों पर दर्ज नामों को दुरुस्त करना इसका आवश्यक हिस्सा है। मतदाता सूची लोकतंत्र का



मूल आधार है और निर्वाचन आयोग का दायित्व इसे त्रुटिरहित बनाना है। केंद्रीय मंत्री ने ईवीएम का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके आने के बाद चुनावी व्यवस्था में महत्वपूर्ण सुधार हुए और प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनी। कांग्रेस केरल में ईवीएम से चुनाव जीतने पर सवाल नहीं उठाती,लेकिन अन्य अवसरों पर इसी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती है। उन्होंने कांग्रेस को संसद में खुली बहस की चुनौती देते हुए कहा कि राजनीति सोशल मीडिया पर आरोप-प्रत्यारोप से नहीं,बल्कि जनता का विश्वास जीतने से चलती है।

संपादकीय

प्रदूषण और पटाखे

सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिल्ली-एनसीआर में हरित पटाखों की बिक्री और उन्हें चलाने की सीमित छूट देने के 24 घंटे बाद यह सामने आया कि राजधानी में पारंपरिक पटाखों की भी खुलेआम बिक्री हो रही है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए सरकार को उसके निर्देश का पालन करने को कहा। देखना है कि ऐसा हो पाता है या नहीं,क्योंकि बीते वर्षों में सुप्रीम कोर्ट के ऐसे निर्देशों के बाद भी पटाखा बेचने वाले उनकी येन-केन-प्रकारेण बिक्री कर ही लेते हैं। वे हरित पटाखों के नाम पर पारंपरिक यानी कहीं अधिक प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों की भी बिक्री करते हैं। इसका कारण यह है कि इसके ठोस उपाय नहीं किए जा रहे हैं कि सभी पटाखे हरित ही हों। आम तौर पर लोग दीवाली पर तय समयसीमा की अनदेखी कर देर रात तक पटाखे छोड़ते रहते हैं। यद्यपि हर कोई इससे परिचित है कि पटाखे प्रदूषण बढ़ाते हैं और पिछले कुछ वर्षों में तो दीवाली के बाद दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के अन्य इलाकों में हवा इतनी विषाक्त हो जाती है कि सांस लेना तक मुश्किल हो जाता है। बहुत कम लोग हैं,जो पटाखों के इस्तेमाल में संयम दिखाते हैं और केवल हरित पटाखे ही चलाते हैं। यह सही है दीवाली पर पटाखों का इस्तेमाल न जाने कब से होता आ रहा है और वे इस पर्व का एक हिस्सा बन गए हैं,लेकिन उनका उपयोग सीमित करके भी तो उल्लासित हुआ जा सकता है। इसके लिए लोग अपनी गली,मोहल्ले में सामूहिक रूप से किसी खुले स्थान पर पटाखे चला सकते हैं और यह भी सुनिश्चित कर सकते हैं कि हरित पटाखे ही चलाए जाएं। इसमें ही सबका हित है।

बीते दो-तीन दशक में हालात बदल चुके हैं। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के एक बड़े क्षेत्र में सर्दियों के आगमन के साथ ही सिर उठाने वाला वायु प्रदूषण दीवाली बाद यकायक बहुत बढ़ जाता है। ऐसे में सभी को अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। समस्या यह है कि औसत लोग जैसे इसकी परवाह नहीं करते कि पुराने वाहन चलाने, पराली अथवा कूड़ा-करकट जलाने, धूल उड़ाने वाला निर्माण कार्य कराने से प्रदूषण बढ़ता है,वैसे ही मनचाहे तरीके से पटाखे चलाने से सांसों के लिए संकट पैदा होता है। इससे भी बड़ी समस्या यह है कि सरकार का प्रदूषण रोधी तंत्र भी अपने हिस्से की जिम्मेदारी सही तरह निभाने के बजाय खानापूरी ही अधिक करता है। वह तब चेतता है,जब प्रदूषण गंभीर रूप ले लेता है। यह समझा जाए कि सेहत के लिए घातक संकट पैदा करने वाले प्रदूषण से तभी निपटा जा सकता है,जब सरकारी तंत्र के साथ आम जनता भी उसकी रोकथाम के उपायों पर सही से अमल करने को लेकर सजग रहे। यह सजगता दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के शासन-प्रशासन और लोगों को भी दिखानी होगी।

धन्वंतरि की दिव्य विरासत और यमदीप की प्राचीन परंपरा

आरोग्य,धन और समृद्धि का पावन पर्व है धनतेरस



योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,नई दिल्ली

प्रतिवर्ष दीपावली से दो दिन पूर्व कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को धनतेरस का पर्व श्रद्धा,उल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष यह पर्व 6 नवंबर को मनाया जा रहा है। भारतीय संस्कृति में धन तेरस का विशेष धार्मिक,आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। इसे केवल धन और वैभव की प्राप्ति का पर्व मानना उचित नहीं होगा बल्कि यह आरोग्य,दीर्घायु, सुख-समृद्धि और स्वस्थ जीवन के प्रति आभार व्यक्त करने का भी अवसर है। इस दिन विशेष रूप से भगवान धन्वंतरि,माता लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर की पूजा-अर्चना की जाती है। धनतेरस का इतिहास अत्यंत प्राचीन माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार,समुद्र मंथन के दौरान कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर समुद्र से प्रकट हुए थे। उन्हें भगवान विष्णु का अंशावतार तथा आयुर्वेद का प्रवर्तक माना जाता है। मान्यता है कि उनके हाथों में अमृत से भरा कलश था,जो जीवन, स्वास्थ्य और अमरत्व का प्रतीक है। इसी कारण उन्हें देवताओं का वैद्य और आरोग्य का देवता कहा जाता है। समुद्र मंथन से प्राप्त अमृत के माध्यम से देवताओं को अमरत्व प्राप्त हुआ था। भगवान धन्वंतरि के इसी दिव्य प्राकट्य की स्मृति में धनतेरस मनाने की परंपरा प्रचलित हुई।

भगवान धन्वंतरि का संबंध केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है बल्कि उनका आयुर्वेद और भारतीय चिकित्सा परंपरा में भी विशेष स्थान है। आयुर्वेद को जीवन का विज्ञान माना गया है,जिसका उद्देश्य केवल



प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

रोगों का उपचार करना नहीं बल्कि शरीर और मन को स्वस्थ रखते हुए दीर्घ एवं संतुलित जीवन प्रदान करना है। यही कारण है कि धनतेरस का दिन चिकित्सकों,वैद्यों और चिकित्सा जगत से जुड़े लोगों के लिए भी विशेष महत्व रखता है। इस दिन भगवान धन्वंतरि की पूजा कर लोग परिवार के आरोग्य,निरोगी काया और दीर्घायु की कामना करते हैं। धनतेरस हमें यह संदेश भी देता है कि वास्तविक धन केवल सोना, चांदी और संपत्ति नहीं बल्कि अच्छा स्वास्थ्य,मानसिक शांति और संतोषपूर्ण जीवन है। इसलिए इस पर्व का मूल भाव धन के साथ आरोग्य और समृद्धि की मंगलकामना करना है।

धनतेरस के पर्व पर भगवान धन्वंतरि और माता लक्ष्मी की पूजा के साथ मृत्यु के देवता यमराज के पूजन तथा दीपदान का भी विशेष विधान है। इस दिन संध्याकाल में घर के मुख्य द्वार पर दक्षिण दिशा की ओर यमराज के निमित्त एक दीपक जलाया जाता है,जिसे 'यम दीपक' अथवा'यमदीपदान'कहा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि ऐसा करने से परिवार के सदस्यों को अकाल मृत्यु के भय से मुक्ति



मिलती है और घर में सुख-समृद्धि तथा मंगल बना रहता है। इस परंपरा के पीछे एक अत्यंत रोचक और भावुक पौराणिक कथा प्रचलित है। कथा के अनुसार, एक बार यमराज ने अपने दूतों से पूछा कि प्राणियों के प्राण हरते समय क्या कभी ऐसा अवसर भी आया,जब किसी व्यक्ति के प्रति तुम्हारे मन में दया उत्पन्न हुई हो और तुम्हारा हृदय करुणा से भर उठा हो? यमराज का प्रश्न सुनकर यमदूतों ने उत्तर दिया कि वे तो केवल उनकी आज्ञा का पालन करने वाले सेवक हैं। उनका कार्य निर्धारित समय पर जीवों के प्राण लेना है, इसलिए दया और मोह-माया का उनके कार्य में कोई स्थान नहीं है। हालांकि, यमराज द्वारा निर्भय होकर सच बताने का आश्वासन दिए जाने पर उन्होंने एक ऐसी घटना का उल्लेख किया,जिसने उन्हें भी भीतर तक विचलित कर दिया था। यमदूतों ने बताया कि एक बार हंस नाम का राजा शिकार के लिए जंगल में गया था। शिकार करते समय वह अपने साथियों से बिछुड़कर दूसरे राज्य की सीमा में पहुंच गया। उस राज्य के राजा हेमा ने अतिथि धर्म का पालन करते हुए उसका खूब आदर-सत्कार किया। संयोगवश उसी



दिन राजा हेमा की पत्नी ने एक अत्यंत सुंदर पुत्र को जन्म दिया। राजपरिवार में खुशियां छा गई लेकिन ज्योतिषियों ने नवजात राजकुमार की कुंडली देखकर भविष्यवाणी की कि विवाह के ठीक चार दिन बाद उसकी मृत्यु हो जाएगी। यह सुनकर राजा और रानी शोकाकुल हो उठे। उन्होंने अपने पुत्र को इस अनिष्ट से बचाने के लिए उसे यमुना नदी के किनारे एक निर्जन गुफा में रखवा दिया। वहां उसके पालन-पोषण की राजसी व्यवस्था की गई और विशेष सावधानी बरती गई कि उस पर किसी युवती की छाया तक न पड़े। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था।

एक दिन संयोगवश राजा हंस की पुत्री घूमते-घूमते यमुना तट पर पहुंच गई। वहां उसकी दृष्टि राजकुमार पर पड़ी और दोनों एक-दूसरे को देखते ही मोहित हो गए। उनके बीच प्रेम उत्पन्न हुआ और उन्होंने उसी समय गंधर्व विवाह कर लिया। दुर्भाग्यवश,ज्योतिषियों की भविष्यवाणी के अनुसार विवाह के चार दिन बाद ही राजकुमार की मृत्यु हो गई। यमदूतों ने यमराज को बताया कि उन्होंने अपने जीवन में उस नवविवाहित जोड़े जैसा सुंदर और प्रेमपूर्ण युगल कभी नहीं देखा था। दोनों कामदेव और रति के समान प्रतीत होते थे। राजकुमार के प्राण हरने के बाद जब उसकी नवविवाहिता पत्नी ने विलाप करना शुरू किया तो उसका करुण क्रंदन सुनकर यमदूतों का हृदय भी द्रवित हो उठा। यह पूरा वृत्तांत सुनने के बाद यमराज ने कहा कि कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को भगवान धन्वंतरि के पूजन के साथ उनके निमित्त दीपदान करने से अकाल मृत्यु के भय से रक्षा होती है। तभी से धनतेरस पर यमदीपदान की परंपरा प्रचलित होने की मान्यता है। इसी विश्वास के चलते लोग संध्याकाल में घर के बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीपक जलाकर यमराज से परिवार के सभी सदस्यों की लंबी आयु और आरोग्य की प्रार्थना करते हैं। धनतेरस पर खरीदारी की भी विशेष परंपरा है। इस दिन पुराने और टूटे-फूटे बर्तनों के स्थान पर नए बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। विशेष रूप से तांबे,पीतल और चांदी के बर्तन खरीदने की परंपरा है। अनेक लोग सोने-चांदी के आभूषण, सिक्के और अन्य उपयोगी वस्तुएं भी खरीदते हैं। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई वस्तुएं घर में सुख,सौभाग्य और समृद्धि लेकर आती हैं। कुछ परिवारों में नई झाड़ू खरीदकर उसका पूजन करने की भी परंपरा है। झाड़ू को माता लक्ष्मी का प्रतीक मानते हुए इसे घर से दरिद्रता और नकारात्मकता दूर करने का माध्यम माना जाता है। हालांकि,धनतेरस का वास्तविक संदेश केवल अधिक खरीदारी करना नहीं बल्कि धन के सदुपयोग,स्वच्छता,स्वास्थ्य और संतुलित जीवन का महत्व समझना है। यह पर्व हमें स्मरण कराता है कि जीवन की सबसे बड़ी पूंजी निरोगी शरीर,परिवार की खुशियां,मानसिक शांति और परिश्रम से अर्जित समृद्धि है। भगवान धन्वंतरि की आराधना और यमदीपदान के माध्यम से यह पर्व जीवन की रक्षा,दीर्घायु और मंगलमय भविष्य की कामना का अनुपम अवसर बन जाता है।

धनतेरस : भारतीय दर्शन में धन,आरोग्य और समृद्धि का वास्तविक अर्थ

भारतीय संस्कृति में पर्व और त्योहार केवल धार्मिक अनुष्ठान अथवा उत्सव मनाने के माध्यम नहीं हैं,बल्कि उनके भीतर जीवन को दिशा देने वाले गहरे दार्शनिक,आध्यात्मिक और सामाजिक संदेश समाहित हैं। धनतेरस भी ऐसा ही एक महत्वपूर्ण पर्व है। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को मनाया जाने वाला यह पर्व दीपावली के पाँच दिवसीय उत्सव का शुभारंभ करता है। सामान्यतः धनतेरस को सोना,चाँदी,आभूषण और बर्तन खरीदने की परंपरा से जोड़कर देखा जाता है,लेकिन भारतीय दर्शन में इसका अर्थ इससे कहीं अधिक व्यापक है। यह पर्व धन,स्वास्थ्य,श्रम,सदाचार और जीवन की वास्तविक समृद्धि का बोध कराता है।



राज नारायण द्विवेदी

धनतेरस का संबंध भगवान धन्वंतरि से है,जिन्हें आयुर्वेद का प्रवर्तक और देवताओं का वैद्य माना जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार समुद्र मंथन के समय भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। उनके प्राकट्य का प्रसंग केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं,बल्कि मानव जीवन में आरोग्य के महत्त्व का प्रतीक भी है। भारतीय चिंतन में स्वास्थ्य को सबसे बड़ी संपत्ति माना गया है। इसी संदर्भ में संस्कृत का प्रसिद्ध वाक्य है शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम। अर्थात शरीर ही समस्त कर्तव्यों और धर्म की साधना का प्रथम साधन है। स्वस्थ शरीर के बिना व्यक्ति न अपने परिवार के प्रति दायित्व निभा सकता है और न ही समाज तथा राष्ट्र के विकास में सार्थक योगदान दे सकता है। इसलिए धनतेरस हमें स्मरण कराता है कि धन अर्जित करने की दौड़ में स्वास्थ्य की उपेक्षा नहीं होनी चाहिए।



प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

भारतीय दर्शन में धन की अवधारणा केवल मुद्रा, संपत्ति और आभूषणों तक सीमित नहीं है। विद्या,बुद्धि,स्वास्थ्य,संस्कार,परिश्रम,परिवार और सामाजिक प्रतिष्ठा भी मनुष्य की अमूल्य संपत्ति हैं। अष्टलक्ष्मी की अवधारणा भी इसी व्यापक दृष्टिकोण को प्रकट करती है। आदि लक्ष्मी,धन लक्ष्मी,धान्य लक्ष्मी,गज लक्ष्मी,संतान लक्ष्मी,वीर लक्ष्मी,विजय लक्ष्मी और विद्या लक्ष्मी के विभिन्न स्वरूप बताते हैं कि समृद्धि के अनेक आयाम हैं। केवल आर्थिक संपन्नता से जीवन की पूर्णता संभव नहीं है। अन्न, ज्ञान,साहस, संतान, विजय और आध्यात्मिक संतुलन भी सुखी जीवन के आवश्यक आधार हैं। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने दैवी गुणों का उल्लेख करते हुए कहा है–

अभयं सत्त्वसंशुद्धिर्ज्ञानयोगव्यवस्थितिः।
दानं दमश्च यज्ञश्च स्वाध्यायस्तप आर्जवम॥
(अध्याय 16, श्लोक 1)

अर्थात निर्भयता,अंतःकरण की शुद्धता,ज्ञान,दान,संयम,स्वाध्याय,तप और सरलता मनुष्य के श्रेष्ठ गुण हैं। ये गुण बताते हैं कि वास्तविक संपन्नता व्यक्ति के चरित्र और आचरण में भी दिखाई देनी चाहिए। भारतीय जीवन-दर्शन में धर्म,अर्थ,काम और मोक्ष को चार पुरुषार्थ माना गया है। इनमें अर्थ अर्थात धन की प्राप्ति को भी महत्त्वपूर्ण स्थान दिया गया है। इसका आशय है कि धन अर्जित करना अनुचित नहीं है,बल्कि जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति और सामाजिक विकास के लिए यह आवश्यक है। किंतु धन की प्राप्ति धर्मसम्मत होनी चाहिए। छल,कपट,शोषण और अनैतिक साधनों से अर्जित संपत्ति व्यक्ति को वास्तविक सुख नहीं दे सकती। धन का सदुपयोग परिवार के कल्याण,जरूरतमंदों की सहायता और समाज के उत्थान में होना चाहिए। धनतेरस हमें धन और धर्म के इसी संतुलन का संदेश देता है। इस पर्व पर दीपदान और यमदीप प्रज्वलित करने की भी विशेष परंपरा है। धार्मिक मान्यता के अनुसार संध्या के समय घर के बाहर दक्षिण दिशा में दीपक जलाकर भगवान यमराज से परिवार की मंगलकामना की जाती है। दीपक भारतीय संस्कृति में ज्ञान, आशा और सकारात्मकता का प्रतीक है। उपनिषदों की प्रार्थना–

असतो मा सद्गमय।
तमसो मा ज्योतिर्गमय।
मृत्योर्माऽमृतं गमय॥

अर्थात असत्य से सत्य की ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर और मृत्यु से अमरत्व की ओर ले चलो। यह संदेश जीवन को सदाचार और विवेक के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।धनतेरस के अवसर पर घरों की सफाई और खरीदारी की परंपरा भी विशेष महत्त्व रखती है। स्वच्छता केवल बाहरी व्यवस्था नहीं,बल्कि स्वस्थ जीवनशैली और अनुशासन का आधार है। इस अवसर पर हमें उन कारीगरों,श्रमिकों,किसानों और छोटे व्यापारियों के परिश्रम को भी सम्मान देना चाहिए,जिनके श्रम से समाज की आर्थिक गतिविधियाँ संचालित होती हैं। त्योहारों की वास्तविक प्रसन्नता तभी सार्थक होती है, जब समाज के सभी वर्गों को उसमें भागीदारी का अवसर मिले। वर्तमान उपभोक्तावादी परिवेश में धनतेरस का संदेश और अधिक प्रासंगिक हो गया है। बाजार की प्रतिस्पर्धा और दिखावे की प्रवृत्ति ने त्योहारों को कई बार अनावश्यक खर्च का माध्यम बना दिया है। जबकि भारतीय परंपरा हमें अपनी सामर्थ्य के अनुसार प्रसन्नतापूर्वक उत्सव मनाने की शिक्षा देती है। इस दिन किसी जरूरतमंद परिवार की सहायता करना, गरीब बच्चों की शिक्षा में सहयोग देना अथवा किसी असहाय व्यक्ति के उपचार में योगदान करना भी समृद्धि का श्रेष्ठ उदाहरण हो सकता है। वास्तव में धनतेरस का महत्त्व केवल नई वस्तुएँ खरीदने में नहीं,बल्कि जीवन के प्रति अपनी दृष्टि को समृद्ध बनाने में है। भगवान धन्वंतरि हमें आरोग्य का संदेश देते हैं,माता लक्ष्मी श्रम और समृद्धि की प्रेरणा देती हैं तथा दीपदान हमें अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने का मार्ग दिखाता है। धन साधन है,साध्य नहीं। धन से सुविधाएँ खरीदी जा सकती हैं, लेकिन सुख,शांति,संतोष और आत्मीयता केवल धन से प्राप्त नहीं होते। इनके लिए सदाचार,संस्कार,सेवा और संवेदनशीलता आवश्यक हैं। यही भारतीय दर्शन की मूल भावना है। धनतेरस का वास्तविक उत्सव तभी पूर्ण होगा,जब हमारे घरों में दीपक के साथ विचारों का प्रकाश भी प्रज्वलित हो और हमारी व्यक्तिगत समृद्धि के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में भी खुशहाली आए। यही धनतेरस का आध्यात्मिक,सांस्कृतिक और मानवीय संदेश है।

घर बसाने की रस्में बहुत, घर बचाने की शिक्षा कहां?

बिखरते रिश्तों के दौर में
विवाह की नई पाठशाला
कुंडली के गुण मिले,
क्या स्वभाव और संस्कार भी मिले?

हमारे समाज में शादी की हर तैयारी होती है,बस शादी निभाने की नहीं। दूल्हे के सेहरे,दुल्हन के लहंगे,बरात की गाड़ियों और पकवानों की फेहरिस्त महीनों पहले तैयार हो जाती है। मगर जिन दो लोगों को पूरी जिंदगी साथ बितानी है, उनके स्वभाव, आदतों और अपेक्षाओं का मेल कैसा होगा,इस पर शायद ही कोई गंभीरता से सोचता है। शादी के दिन चेहरे मुस्कराते रहें,इसकी चिंता सबको होती है;लेकिन शादी के बाद उन चेहरों पर मुस्कान कैसे बनी रहेगी,यह सवाल अनुत्तरित रह जाता है। इसी विडंबना के बीच गोवा के एक कॉलेज ने विवाह से पहले 15 दिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने की पहल की है। यह अनूठा प्रयास केवल एक पाठ्यक्रम नहीं, लिक विवाह और रिश्तों को लेकर हमारी सोच पर गंभीर सवाल है। गोवा के होम साइंस कॉलेज में दिसंबर से शुरू होने वाला 'मैरिज रेडीनेस' पाठ्यक्रम युवाओं को विवाह के लिए मानसिक और व्यावहारिक रूप से तैयार करेगा। पहली नजर में सवाल उठता है–क्या अब शादी के लिए भी डिग्री चाहिए? नौकरी,कारोबार और वाहन चलाने के लिए हम प्रशिक्षण लेते हैं,लेकिन जीवनभर साथ निभाने वाले रिश्ते के लिए कोई तैयारी नहीं करते। विवाह केवल मंडप,मेहंदी और तस्वीरों का उत्सव नहीं,बल्कि स्वयं को समझने, साथी को जानने और जिम्मेदारियां निभाने का नाम है। कॉलेज के ब्रोशर में भी सवाल है–करियर के लिए बीस साल लगाने वाले लोग विवाह की तैयारी के लिए कुछ दिन क्यों नहीं निकाल सकते? यह सवाल हमारी सोच की बड़ी कमी उजागर करता है। विवाह टूटने का एक कारण यह भी है कि हम जीवनसाथी चुनते समय उसकी कमाई और परिवार की हैसियत देखते हैं,स्वभाव और व्यवहार नहीं। कुंडली के गुण मिलाते हैं, लेकिन गुस्से,धैर्य,अपेक्षाओं और विचारों पर ध्यान नहीं देते। बाद में यही अनदेखी विवाद बन जाती है। गोवा में 2022 से 2025 के बीच तीन हजार से अधिक विवाह और तलाक संबंधी याचिकाएँ सिविल अदालतों में दर्ज हुईं,जिनमें अकेले 2024 में 947 मामले शामिल हैं। तलाक के मामलों में कमी लाने के लिए राज्य सरकार भी विवाह-पूर्व परामर्श की जरूरत जता चुकी है। कॉलेज का यह पाठ्यक्रम इसी दिशा में पहल है। अदालतों में विवाद पहुंचने के बाद रिश्ते सुधारने से बेहतर है कि विवाह से पहले ही संभावित टकराव के कारण समझ लिए जाएं। आज रिश्ते बनाना आसान हुआ है,निभाना नहीं। डेटिंग ऐप पर स्वाइप से परिचय,सोशल मीडिया पर बातचीत और कुछ मुलाकातों में भविष्य के सपने सजने लगते हैं। लेकिन तस्वीर पसंद करना और जीवन की जिम्मेदारियां साझा करना अलग बातें हैं। इसलिए पाठ्यक्रम में डेटिंग का अर्थ,पुरुषत्व और स्त्रीत्व की धारणाओं का रिश्तों पर प्रभाव तथा शादी और विवाह के अंतर जैसे विषय शामिल हैं। युवा समानता की बात करते हैं, पर व्यवहार में पुरानी सोच और अपेक्षाएं बनी रहती हैं। पति से कमाने और पत्नी से घर संभालने की उम्मीदें तब टकराती हैं,जब दोनों समान अधिकार और स्वतंत्रता चाहते हैं। विवाह को मालिक-सेवक का संबंध नहीं,बल्कि दो बराबर व्यक्तियों की साझेदारी मानना जरूरी है। विवाह की असली परीक्षा कुछ दिन बाद रसोई से शुरू होती है। दोनों नौकरी करते हैं,थककर लौटते हैं और घर व बच्चों की जिम्मेदारियां सामने होती हैं। खाना कौन बनाएगा,बच्चों को कौन संभालेगा,खर्च-बचत कैसे होगी और बुजुर्गों की देखभाल कौन करेगा? इन सवालों पर पहले बात न हो,तो घर शिकायतों का अड्डा बन जाता है। इसलिए आत्म-जागरूकता जरूरी है। अपनी कमजोरियों,जरूरतों और अपेक्षाओं को समझे बिना व्यक्ति साथी से समझदारी की उम्मीद करता है और उसके न बदलने की शिकायत करता है। जबकि कई बार साथी नहीं,हमारी समझ अधूरी होती है। प्रेम के साथ एक-दूसरे की थकान,परेशानी और भावनाओं को समझना भी जरूरी है। प्रेम पंद्रह दिन की कक्षा में नहीं सिखाया जा सकता। कोई पाठ्यक्रम न प्रेम पैदा कर सकता है, न सफल विवाह की गारंटी दे सकता है। लेकिन धैर्य,संवाद और जिम्मेदारी सीखी जा सकती है। खिलाड़ी हर मैच नहीं जीतता, विद्यार्थी हर परीक्षा में सफल नहीं होता, फिर भी अभ्यास और तैयारी नहीं छोड़ता। विवाह में भी माफी मांगना, गलती स्वीकारना,असहमति का सम्मान करना और जरूरत पर समझौता करना जरूरी है। स्नातक-स्नातकोत्तर विद्यार्थियों और अविवाहित युवाओं के लिए यह पाठ्यक्रम विवाह से पहले ही उन्हें संभावित उलझनों के प्रति सजग बनाने का प्रयास है। इसका उद्देश्य प्रमाणपत्र नहीं, रिश्तों की व्यवहारिक समझ विकसित करना है। समाज का बदलता ढांचा भी ऐसी पहल की जरूरत बताता है। संयुक्त परिवार टूटकर छोटे परिवारों में सिमट रहे हैं और शिक्षा-रोजगार के लिए युवा घरों से दूर बस रहे हैं। पहले बुजुर्ग अपने अनुभव से रिश्तों की उलझनें सुलझाते थे,अब युवाओं को फोन पर माता-पिता और सीमित अनुभव वाले दोस्तों की सलाह मिलती है। ऐसे में रिश्तों की व्यवस्थित शिक्षा उपयोगी हो सकती है। स्वयं को समझना,भावनाओं का सम्मान करना, माफी मांगना और मतभेद बातचीत से सुलझाना हर रिश्ते के लिए जरूरी है। शिक्षा में नौकरी-कमाई पर जोर है,लेकिन भावनात्मक परिपक्वता पर कम चर्चा होती है। स्कूलों में यौन शिक्षा के साथ स्वस्थ रिश्तों और जिम्मेदार साझेदारी की समझ भी विकसित की जानी चाहिए।

रितेश कुमार जैन
बड़वानी,मध्यप्रदेश

कथावाचकों का बाज़ार और आस्था का कारोबार

जब धर्म साधना से निकलकर प्रदर्शन,प्रचार और धन-संग्रह का माध्यम बनने लगे तो समाज को आत्ममंथन करना चाहिए

भारत की पहचान सदियों से आध्यात्मिकता,धार्मिक सहिष्णुता और नैतिक मूल्यों की भूमि के रूप में रही है। यहाँ धर्म का अर्थ केवल पूजा-पाठ, कर्मकांड और मंदिरों में दर्शन करना नहीं, बल्कि सत्य,करुणा,सेवा,त्याग और मानवता को जीवन में उतारना रहा है। संतों,ऋषियों और मनीषियों ने धर्म को मनुष्य के भीतर की चेतना को जागृत करने का माध्यम बनाया। रामायण, महाभारत,श्रीमद् भागवद्गीता और पुराणों की कथाएँ पीढ़ियों को जीवन जीने की कला सिखाती रही हैं। लेकिन आज धार्मिक आयोजनों और कथाओं के बढ़ते वैभव के बीच एक गंभीर प्रश्न खड़ा हो रहा है कि क्या धर्म वास्तव में जनकल्याण का माध्यम बना हुआ है या धीरे-धीरे एक बड़े व्यावसायिक आयोजन में परिवर्तित होता जा रहा है? आज देश के विभिन्न हिस्सों में कथा-वाचन का एक विशाल संसार खड़ा हो गया है।बड़े-बड़े पंडाल,भव्य मंच, आकर्षक सजावट,महंगे ध्वनि उप करण,विशेष अतिथि,प्रचार वाहन और सामाजिक माध्यमों पर व्यापक प्रचार धार्मिक आयोजनों की पहचान बनते जा रहे हैं। कथावाचकों की लोकप्रियता अब केवल उनके ज्ञान और विचारों से नहीं, बल्कि उनके अनुयायियों की संख्या,आयोजनों की भव्यता और उनकी प्रसिद्धि से भी आँकी जाने लगी है। कुछ कथावाचकों के कार्यक्रमों में उमड़ने वाली भीड़ किसी बड़े मनोरंजन आयोजन का दृश्य प्रस्तुत करती है। धार्मिक प्रवचन के साथ-साथ प्रसिद्धि, प्रचार और आर्थिक सामर्थ्य का प्रदर्शन भी दिखाई देने लगा है। कथा-वाचन अपने आप में सम्मानजनक और महत्वपूर्ण परंपरा है। कथावाचक समाज को धार्मिक ग्रंथों का मर्म समझाते हैं, नैतिक शिक्षा देते हैं और लोगों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ते हैं। अनेक संत और विद्वान बिना किसी दिखावे के वर्षों से समाज में आध्यात्मिक चेतना फैलाने का कार्य कर रहे हैं। समस्या कथावाचन की परंपरा में नहीं,बल्कि उसके व्यावसायीकरण में है। जब कथा की गुणवत्ता से अधिक कथावाचक की कीमत महत्वपूर्ण हो जाए,जब आयोजन की सफलता का पैमाना श्रद्धालुओं की संख्या और चढ़ावे की राशि बन जाए तथा जब धर्म के नाम पर आर्थिक सामर्थ्य का प्रदर्शन होने लगे,तब



प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

आत्ममंथन आवश्यक हो जाता है।

आज कई धार्मिक आयोजनों में कथावाचकों के आगमन, मंच व्यवस्था, ठहरने, सुरक्षा और अन्य सुविधाओं पर भारी धनराशि खर्च की जाती है। आयोजकों और श्रद्धालुओं के बीच प्रतिष्ठा की प्रतिस्पर्धा भी दिखाई देती है। कौन कितना बड़ा आयोजन करवा सकता है,किसके कार्यक्रम में कितनी भीड़ आई और किस कथावाचक के मंच पर कौन-सी प्रतिष्ठित हस्ती पहुँची, ये चर्चाएँ कथा के मूल संदेश पर भारी पड़ने लगती हैं। कहीं-कहीं कथा-वाचन के नाम पर आर्थिक लेन-देन और महँगी व्यवस्थाओं की चर्चा भी सार्वजनिक होती है। हालाँकि सभी कथावाचकों या आयोजनों को एक ही दृष्टि से देखना उचित नहीं है, लेकिन इस बदलती प्रवृत्ति पर प्रश्न उठाना समाज की जिम्मेदारी है। सबसे चिंताजनक स्थिति तब उत्पन्न होती है, जब धार्मिक भावनाओं को आर्थिक लाभ का साधन बनाया जाता है। श्रद्धालु अपनी आस्था के कारण दान देते हैं। कोई अपनी कमाई का हिस्सा समर्पित करता है तो कोई अपनी जीवनभर की बचत से धार्मिक आयोजन में सहयोग करता है। यह उनकी व्यक्तिगत श्रद्धा है और उसका सम्मान होना चाहिए। लेकिन दान की पारदर्शिता,उसके उपयोग और धार्मिक संस्थाओं की जवाबदेही भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यदि धर्म के नाम पर एकत्रित धन का उपयोग जनसेवा के बजाय व्यक्तिगत वैभव और प्रचार में होने लगे तो श्रद्धा का विश्वास कमजोर होता है।

विडंबना देखिए कि मंदिरों में सोने-चाँदी के आभूषणों और बहुमूल्य वस्तुओं का चढ़ावा बढ़ रहा है,वहीं समाज में आज भी अनेक बच्चे भूखे पेट सोने को विवश हैं। कितने ही परिवार आर्थिक अभाव में बच्चों की शिक्षा, उपचार और भोजन की व्यवस्था नहीं कर पाते। अस्पतालों में गरीब मरीज सहायता की प्रतीक्षा करते हैं और विद्यालयों में संसाधनों की कमी बनी रहती है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या धार्मिक आस्था का सबसे बड़ा उद्देश्य केवल भव्य चढ़ावा और विशाल आयोजन होना चाहिए? क्या मंदिरों की समृद्धि के साथ आसपास के निर्धन लोगों का जीवन भी समृद्ध नहीं होना चाहिए? धर्म का वास्तविक सौंदर्य तभी प्रकट होता है,जब वह पीड़ित के आँसू पोंछे,भूखे को भोजन दे,अशिक्षित को शिक्षा दिलाए और निराश व्यक्ति को आशा प्रदान करे। भगवान राम के आदर्शों में मर्यादा और लोककल्याण है, श्रीकृष्ण के संदेश में कर्म और कर्तव्य का महत्व है तथा बुद्ध की शिक्षाओं में करुणा और अहिंसा का भाव है। इन महान परंपराओं को केवल मंच से सुनाना पर्याप्त नहीं है। उन्हें व्यवहार में उतारना ही सच्ची धार्मिकता है।

कथावाचकों की लोकप्रियता में सामाजिक माध्यमों की भी बड़ी भूमिका है। कुछ मिनटों के प्रवचन, आकर्षक वेशभूषा,भावुक प्रस्तुतियाँ और प्रभाव शाली संवाद तेजी से प्रसारित होते हैं। इससे धार्मिक विचारों का विस्तार हुआ है,लेकिन इसके साथ दिखावे और लोकप्रियता की प्रतिस्पर्धा भी बढ़ी है। कई बार गंभीर धार्मिक विषयों को मनोरंजन की शैली में प्रस्तुत किया जाता है। भावनात्मक वक्तव्यों और चमत्कार संबंधी दावों के माध्यम से श्रद्धालुओं को प्रभावित करने की प्रवृत्ति भी देखने को मिलती है। ऐसे में श्रोताओं को विवेकपूर्ण दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। किसी व्यक्ति की लोकप्रियता उसके ज्ञान, चरित्र और नैतिकता का स्वतः प्रमाण नहीं होती। समाज को यह भी समझना होगा कि हर कथावाचक व्यापारी नहीं है और हर बड़ा आयोजन अनुचित नहीं है। धार्मिक आयोजनों के संचालन में व्यवस्थाओं पर खर्च स्वाभाविक है। अनेक कथावाचक निःस्वार्थ भाव से सेवा करते हैं और अपने प्रवचनों से लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाते हैं। इसलिए आलोचना व्यक्तियों की नहीं, उन प्रवृत्तियों की होनी चाहिए जो धर्म को धन,प्रतिष्ठा और व्यक्तिगत लाभ से जोड़ती हैं। सरकार और सामाजिक संस्थाओं की भी जिम्मेदारी है कि धार्मिक संस्थानों में आर्थिक पारदर्शिता को प्रोत्साहित किया जाए। श्रद्धालुओं को दान के उपयोग की जानकारी मिले। धार्मिक मंचों का उपयोग अंधविश्वास, भेदभाव और सामाजिक वैमनस्य फैलाने के लिए

घुसपैठियों के नाम पर लोकतंत्र को खतरे में डाल रहा विपक्ष : विजय शर्मा

भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ,अराजकता हटाओ'पदयात्रा में उमड़ी भीड़,एसआईआर और वोट चोरी के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरा...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

भाजपा के राष्ट्रव्यापी अभियान'लोकतंत्र बचाओ,अराजकता हटाओ'के तहत गुरुवार को सरगुजा भाजपा ने शहर में विशाल पदयात्रा निकालकर आमसभा आयोजित की। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और विपक्षी दलों पर घुसपैठियों के समर्थन में खड़े होकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एसआईआर जैसी संवैधानिक प्रक्रिया को लेकर विपक्ष भ्रम फैला रहा है और बांग्लादेश व नेपाल जैसे हालात पैदा करने की कोशिश कर रहा है। पदयात्रा पीजी कॉलेज मैदान से शुरू होकर अंबेडकर चौक,गांधी चौक और घड़ी चौक होते हुए कलाकेन्द्र मैदान पहुंची। यहां आयोजित आमसभा में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा,कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल,छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव,सांसद चिंतामणि महाराज सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने संबोधित किया। पदयात्रा में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी,



कार्यकर्ता और आमजन शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि एसआईआर पर चर्चा की जरूरत है,लेकिन कांग्रेस और विपक्षी दल इसे लेकर जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष बांग्लादेश और नेपाल जैसे हालात का हवाला देकर युवाओं को सड़कों पर उतारकर सत्ता हासिल करना चाहता है। बाबा साहेब के संविधान में विदेशी नागरिकों को मतदान का अधिकार नहीं देने का प्रावधान है। इसके बावजूद विपक्ष घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में बनाए रखने के पक्ष में खड़ा है। शर्मा ने कहा कि एसआईआर के दौरान हटाए गए 13 करोड़ नामों का हिसाब मांगा जा रहा है,जबकि उनके अनुसार इनमें करीब तीन करोड़ ऐसे मतदाता थे,जो सत्यापन के लिए सामने नहीं आए और न ही उनके संबंध में किसी ने दावा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस फर्जी और अपात्र मतदाताओं के नाम हटाए जाने का विरोध कर रही है। कांग्रेस जहां चुनाव जीतती है,वहां वोट चोरी का मुद्दा नहीं उठाती, लेकिन हारने पर चुनाव प्रक्रिया पर सवाल खड़े करने लगती है। उन्होंने दावा किया कि छत्तीसगढ़ में एसआईआर के दौरान 27 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटाए गए और पूरी प्रक्रिया दावा-आपत्ति के प्रावधानों के तहत संपन्न हुई। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतंत्र को मजबूत करने और घुसपैठियों को बाहर करने के लिए प्रतिबद्ध है।

संसद में हंगामा कर अराजकता फैला रहा विपक्ष : सांसद चिंतामणि महाराज ने कहा कि देश में अराजकता की स्थिति नहीं है,बल्कि विपक्षी दल जानबूझकर ऐसा माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। संसद की कार्यवाही बाधित करने से लेकर युवाओं को भ्रमित करने तक विपक्ष का रवैया लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुकूल नहीं है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अपनी बात रखने का संवैधानिक तरीका है। जनता आने वाले चुनावों में ऐसे कृत्यों का जवाब देगी।

राहुल गांधी पर साधा निशाना,ऑपरेशन सिंदूर का भी किया जिक्र

छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने कहा कि विदेशी ताकतों के सहयोग से देश में लोकतंत्र को अस्थिर करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और विपक्षी दल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नकारात्मक नैरेटिव बनाकर भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया,उनके खिलाफ विपक्ष षड्यंत्र कर रहा है। श्रीवास्तव ने कहा कि एसआईआर कोई नई प्रक्रिया नहीं है। देश में पहले भी कई बार यह प्रक्रिया हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी कभी बैलेट तो कभी ईवीएम पर सवाल उठाकर चुनाव प्रक्रिया को लेकर भ्रम फैलाते हैं। उन्होंने शायराना अंदाज में राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा,'उम्र भर गालिब यही भूल करता रहा,धूल चेहरे पर थी और आईना साफ करता रहा।'उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता और जनता ऐसे प्रयासों को सफल नहीं होने देंगे।

आपातकाल के दौर की याद दिलाई

भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने अतीत में भी लोकतंत्र को कमजोर करने का काम किया है। देश ने आपातकाल का दौर देखा है,जब नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों को कुचल दिया गया था। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को शुद्ध और पारदर्शी बनाना लोकतंत्र को मजबूत करने की आवश्यक प्रक्रिया है। भाजपा कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर एसआईआर को लेकर विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम का जवाब देंगे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री विनोद हर्ष और अरुणा सिंह ने किया। विधायक एवं कार्यक्रम प्रभारी प्रबोध मिंज ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विधायक राजकुमार टोप्पो,महापौर मंजूषा भगत,जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह,जिला सह प्रभारी सुनील गुप्ता,बस्तर संभाग सह प्रभारी हरपाल सिंह भामरा,पूर्व जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह,वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर सहित भाजपा के मंडल एवं मोर्चा पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुष्य नक्षत्र के बाद धनतेरस पर बाजार को बंपर कारोबार की आस

सराफा से वाहन बाजार तक बढ़ी तैयारी,ग्राहकों को लुभाने के लिए दुकानों में सजाए आकर्षक सामान



-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

पुष्य नक्षत्र पर सरगुजा में 10 से 12 करोड़ रुपए का कारोबार होने के बाद अब व्यापारियों को धनतेरस पर बाजार में धनवर्षा की उम्मीद है। शनिवार को धनतेरस के लिए सराफा,वाहन, बर्तन और कपड़ा कारोबारियों ने विशेष तैयारी की है। ग्राहकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए दुकानों में नए डिजाइन के आभूषण,वाहन और घरेलू सामान का स्टॉक बढ़ाया गया है। व्यापारियों को उम्मीद है कि धनतेरस पर खरीदारी का उत्साह पुष्य नक्षत्र से भी आगे निकलेगा। त्योहारी खरीदारी के लिए बाजार में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए पुलिस ने भी सुरक्षा और यातायात व्यवस्था मजबूत की है। शहर में फ्लैग मार्च निकालने के साथ विभिन्न स्थानों पर अस्थायी पार्किंग की व्यवस्था की गई है,ताकि ग्राहकों को बाजार पहुंचने और खरीदारी करने में परेशानी न हो। धनतेरस पर सोने-चांदी के आभूषण खरीदने की परंपरा के चलते सराफा कारोबारियों को सबसे ज्यादा उम्मीद है। कंचन ज्वेलर्स, तनिष्क ज्वेलर्स,सोना महल सहित अन्य प्रतिष्ठानों में आकर्षक डिजाइन के आभूषणों का स्टॉक तैयार है। ग्राहकों के लिए सोने की चेन,अंगूठी,मंगलसूत्र,कान के आभूषण और चांदी के सिक्के उपलब्ध हैं। सदर रोड स्थित सोना महल में ग्राहकों को सोने के आभूषणों पर फ्लैट 8.50 प्रतिशत मेकिंग चार्ज का ऑफर दिया जा रहा है। वहीं,50 हजार रुपए या इससे अधिक की डायमंड ज्वेलरी खरीदने पर चांदी का सिक्का उपहार में मिलेगा।



वाहन कारोबारियों को भी बड़ी बिक्री की उम्मीद : धनतेरस पर वाहन खरीदने के शुभ मुहूर्त को देखते हुए दोपहिया और चारपहिया वाहन शोरूम में भी विशेष तैयारी की गई है। पुष्य नक्षत्र पर आनंद ऑटोमोबाइल में दर्जनों हीरो बाइक की बिक्री हुई थी। रॉयल एनफील्ड के अधिकृत शोरूम स्टेलर्स मोटर राइडर्स में एक दिन में 21 मोटरसाइकिलों की बुकिंग हुई थी। जंक्शन ट्रैक्टर के संचालक विक्रांत जैन ने बताया कि पुष्य नक्षत्र पर पांच ट्रैक्टर बिके थे। धनतेरस के लिए 25 ट्रैक्टर तैयार रखे गए हैं, जिनमें से 10 की बुकिंग हो चुकी है।

बर्तन और कपड़ा बाजार में भी तैयारी पूरी

धनतेरस पर बर्तन खरीदने की परंपरा को देखते हुए दुकानदारों ने स्टील,पीतल और अन्य धातुओं के बर्तनों का स्टॉक बढ़ाया है। कपड़ा और सजावटी सामान की दुकानों में भी त्योहार के लिए नए उत्पाद सजाए गए हैं। व्यापारियों को उम्मीद है कि धनतेरस और दीपावली की खरीदारी से बाजार में कारोबार को नई गति मिलेगी।

युवाओं के आक्रोश की सबसे बड़ी वजह रोजगार की चिंता,निबंधों में छलका असंतोष

सेवा किटी समूह की प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के साथ केंद्रीय जेल में निरुद्ध युवाओं ने भी रखे विचार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

युवाओं में बढ़ते आक्रोश के पीछे आखिर कौन से कारण जिम्मेदार हैं और इसका समाधान कैसे संभव है? इस गंभीर विषय पर विद्यार्थियों ने अपनी लेखनी के माध्यम से विचार रखे। सेवा किटी समूह द्वारा आयोजित महाविद्यालय एवं हाईस्कूल स्तरीय निबंध प्रतियोगिता में सामने आया कि युवाओं के बढ़ते असंतोष की एक बड़ी वजह रोजगार की तलाश,बेरोजगारी और भविष्य को लेकर अनिश्चितता है। खास बात यह रही कि इस वर्ष केंद्रीय जेल में निरुद्ध युवाओं ने भी प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने विचार साझा किए।

रोजगार और भविष्य की चिंता को बताया आक्रोश की वजह

स्वतंत्र भारत में युवा आक्रोश के कारण और निदान विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने युवाओं की समस्याओं, सामाजिक परिस्थितियों और उनके समाधान को लेकर अपने सुझाव प्रस्तुत किए। निबंधों के अवलोकन से यह बात उभरकर आई कि युवाओं में बढ़ते असंतोष को समझने के लिए रोजगार के अवसरों और उनकी अपेक्षाओं पर गंभीरता से विचार करना होगा। केवल युवाओं के आक्रोश पर सवाल उठाने के बजाय उसके मूल कारणों का निदान भी जरूरी है।

मनोरंजन से आगे बढ़कर समाजसेवा की पहचान बना सेवा किटी समूह : पुरस्कार वितरण समारोह संयुक्त संचालक शिक्षा विभाग डॉ. राजेश कुमार सिंह के मुख्य आतिथ्य शासकीय कन्या शाला की प्राचार्य श्रीमती अपर्णा दुबे,संरक्षिका डॉ.



श्रीमती पुष्पा सोनी एवं रंजय स्वर्णकार के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित हुआ। मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। संस्थापिका वंदना दत्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए वर्ष 2019 से समूह द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा एवं जनहित के कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों से स्वतंत्रता दिवस पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है।

किटी का मतलब केवल मनोरंजन नहीं,सेवा भी है : मुख्य अतिथि डॉ. राजेश कुमार सिंह ने कहा कि अब तक किटी का अर्थ मनोरंजन ही समझा जाता था,लेकिन शहर की महिलाओं ने सेवा किटी के माध्यम से समाजहित के कार्यों की नई मिसाल पेश की है। इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थियों की कल्पनाशक्ति,रचनात्मकता और अभिव्यक्ति को मंच मिलता है। समूह ने सामाजिक सरोकारों के माध्यम से अपनी अलग पहचान बनाई है,जो प्रेरणादायक है। उन्होंने समूह के'परवाज'कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि बालक-बालिकाओं के बीच सार्थक संवाद स्थापित कर उन्हें जीवन में नई दिशा देने का निशुल्क प्रयास प्रशंसनीय है।



शिक्षा संस्थानों ने भी जताई सहभागिता की प्रतिबद्धता

अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. अंजन सिंह ने कहा कि शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षार्थी भविष्य में भी इस तरह की प्रतियोगिताओं में सहभागी रहेंगे। उन्होंने सेवा किटी समूह के आयोजन को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। श्रीमती अपर्णा दुबे एवं डॉ. पुष्पा सोनी ने कहा कि सेवा किटी समूह के मंच से गृहिणी महिलाओं को समाजसेवा के साथ अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने का अवसर मिल रहा है। यह अच्छी पहल है।

निशुल्क चाय सेंटर और अभिरुचि केंद्र के कार्यों की सराहना

अतिथियों ने जिला चिकित्सालय में समूह द्वारा संचालित निशुल्क चाय सेंटर एवं अभिरुचि केंद्र जैसे स्थायी सेवा कार्यों की सराहना की। समारोह में निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। वहीं तीज उत्सव की विजेताओं ज्योति द्विवेदी,डॉ. पुष्पा सोनी,सत्या दुबे,मधु चौदह एवं स्मिता तिवारी को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संतोष पांडे,जया तिवारी,लिली बसु,कुंजबाला जायसवाल,सरिता भाटिया,रश्मि गुप्ता,पूनम जायसवाल,श्रद्धा खेरपांडे,नीलिमा गोयल,ज्योति अग्रवाल, नीलिमा मिश्रा, बलविंदर टूटेजा,वंदना सिंह,दीपमाला सिंह,तुलसी शर्मा,नमिता चावला,अल्पना मिश्रा,चंदा सिंह एवं नीलू त्रिपाठी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहीं। शिक्षा महाविद्यालय,गर्ल्स कॉलेज,पीजी कॉलेज,होलीक्रॉस स्कूल,विक्टोरिया पब्लिक स्कूल,सरस्वती शिशु मंदिर,मल्टीपरपज एवं पुलिस लाइन हाईस्कूल के लगभग 100 विद्यार्थी और शिक्षक भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

राजीव गांधी पीजी कॉलेज में आयोजित हुई विकसित भारत युवा संसद,युवाओं ने रखे विचार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर में मेरा युवा भारत के तत्वावधान में विकसित भारत युवा संसद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय परंपराओं, नेतृत्व क्षमता एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूकता विकसित करना रहा। इस युवा संसद में प्रतिभागियों ने अपने विचारों एवं वक्तृत्व कला के माध्यम से विषय पर प्रभावशाली ढंग से अपनी बात रखी। निर्णायक मंडल द्वारा प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अतिन्द्र बारिक,द्वितीय स्थान.अमन सिंह टेकाम, तृतीय स्थान दिव्या राजवाड़े ने हासिल किया। कार्यक्रम के अंत में विजेता प्रतिभागियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। साथ ही सभी प्रतिभागियों के उत्साह, सक्रिय सहभागिता एवं योगदान की सराहना की गई।



सरगुजा ओलंपिक 2026-27 : जिला स्तरीय प्रतियोगिता का समापन...विजेता खिलाड़ियों का हुआ सम्मान

-संवाददाता-
बलरामपुर,05 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

जिला प्रशासन बलरामपुर-रामानुजगंज द्वारा आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक खेल प्रतियोगिता 2026-27 का आज गरिमामय समापन हुआ। समापन समारोह में विजेता खिलाड़ियों और दलों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। 03 से 05 नवम्बर तक सेजेस हिन्दी माध्यम विद्यालय खेल मैदान,इन्डोर हॉल पुलिस लाईन,कृषि विज्ञान केन्द्र जाबर, मिशन स्कूल तथा एकलव्य विद्यालय भेलवाडीह के खेल मैदानों में चली इस प्रतियोगिता में जिले के सभी विकासखण्डों के जूनियर एवं सीनियर वर्ग के बालक-बालिका,महिला और पुरुष खिलाड़ियों ने उत्साह से भाग लिया। प्रतियोगिता के पहले दिन एथलेटिक्स में खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ के जूनियर बालक वर्ग में कुसमी के उमेश ने दोहरी जीत दर्ज की,वहीं सीनियर बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ में रामचन्द्रपुर के जितेन्द्र और 200 मीटर में बलरामपुर के



धीरज सिंह प्रथम रहे। 400 मीटर दौड़ में शंकरगढ़ के कुलदीप तथा बलरामपुर के सुनील कुमार और निर्मला ने बाजी मारी। शंकरगढ़ के प्रवीण पैकरा ने भाला फेंक और लंबी कूद,दोनों में प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि कुसमी की मुस्कान तिर्की गोला फेंक और भाला फेंक के सीनियर बालिका वर्ग में अव्वल रहीं। वॉलीबॉल के सीनियर बालक वर्ग में राजपुर तथा सीनियर महिला वर्ग में वाड्रफनगर की टीम विजेता बनी, वहीं रस्साकसी के सीनियर महिला वर्ग में शंकरगढ़ ने जीत हासिल की। बैडमिंटन एकल और युगल मुकाबलों में बलरामपुर के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। दूसरे दिन तीरंदाजी में वाड्रफनगर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 30 मीटर और 50 मीटर के अधिकांश व्यक्तिगत तथा सभी टीम स्पर्धाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया। रागिनी नेताम और सुमन सिंह ने दोनों दूरियों में स्वर्णिम सफलता अर्जित की। खो-खो में वाड्रफनगर ने तीन वर्गों में तथा रामचन्द्रपुर ने जूनियर बालिका वर्ग में



खिताब जीता। बास्केटबॉल के जूनियर वर्ग में बलरामपुर और सीनियर वर्ग में वाड्रफनगर विजेता रहे। बालिका फुटबॉल के दोनों वर्गों में शंकरगढ़ की टीम ने जीत दर्ज की, वहीं कुश्ती में भी शंकरगढ़ के पहलवानों ने विभिन्न भार वर्गों में अधिकतम पदक अपने नाम किए। कराटे में वाड्रफनगर के खिलाड़ी अधिकांश वर्गों में अव्वल रहे। अंतिम दिन कबड्डी और हॉकी के रोमांचक मुकाबले खेले गए। समापन अवसर पर अतिथियों ने कहा कि सरगुजा ओलंपिक ग्रामीण अंचल की खेल प्रतिभाओं को पहचान दिलाने और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देने का सशक्त मंच है। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधि,जिला प्रशासन के अधिकारी,खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, निर्णायकगण,प्रशिक्षक और बड़ी संख्या में खिलाड़ी तथा खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

पत्नी के साथ किशोर को आपजिजनक स्थिति में देख पति ने की पिटाई,प्रेमी की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम जम्होर डीपाडीह में पत्नी के साथ एक किशोर को आपत्तिजनक स्थिति में देखकर पति ने दोनों की बेरहमी से पिटाई कर दी। घटना में गंभीर रूप से घायल 15 वर्षीय किशोर की मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं,घायल महिला का इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार,ग्राम जम्होर डीपाडीह निवासी गजेन्द्र पैकरा के घर 4 नवंबर को दशकर्म कार्यक्रम था। गांव की ललिता पैकरा अपने 15 वर्षीय बेटे पंकेश पैकरा के साथ कार्यक्रम में शामिल होने पहुंची थी। कुछ देर बाद पंकेश और गजेन्द्र की पत्नी कलीता पैकरा नए घर के एक कमरे में चले गए। इसी दौरान गजेन्द्र वहां पहुंच गया। कमरे में पत्नी और किशोर को आपत्तिजनक स्थिति में देखकर वह आक्रोशित हो गया। उसने दोनों की डंडे और लात-मुक्कों से पिटाई शुरू कर दी। मारपीट में किशोर बेहोश हो गया,जबकि महिला भी गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद गजेन्द्र ने अपने भाई सहीन्द्र पैकरा को इसकी जानकारी दी। सहीन्द्र ने पंकेश की मां को घटना के बारे में बताया। सूचना मिलते ही मां मौके पर पहुंची तो उसका बेटा बेहोश पड़ा था और बातचीत नहीं कर पा रहा था। महिला भी घायल अवस्था में पड़ी थी।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में किशोर ने तोड़ा दम

गजेन्द्र ने 108 एंबुलेंस को सूचना देकर दोनों घायलों को शंकरगढ़ अस्पताल पहुंचाया। वहां उनकी गंभीर हालत को देखते हुए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया गया। यहां इलाज के दौरान पंकेश की मौत हो गई,जबकि महिला का उपचार जारी है।





कांग्रेस के 'वोट चोरी' नैरेटिव के खिलाफ भाजपा का शक्ति प्रदर्शन...सूरजपुर में हजारों कार्यकर्ताओं ने निकाली पदयात्रा

'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' के नारे के साथ अग्रसेन भवन से रंगमंच तक निकला मार्च,जनसभा में अनुराग सिंह देव,लक्ष्मी राजवाड़े सहित नेताओं ने कांग्रेस पर साधा निशाना

-सवाददाता-
सूरजपुर 05 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

कांग्रेस द्वारा चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची को लेकर उठाए जा रहे सवालों के विरोध में भाजपा ने सूरजपुर में बड़ा राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन किया,भारतीय जनता पार्टी जिला संगठन के नेतृत्व में आयोजित महा-प्रदर्शन और विशाल जनसभा में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी,कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए, प्रदर्शन का मुख्य नारा'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ'रहा,भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर'वोट चोरी'के आरोपों के जरिए जनता के बीच भ्रम फैलाने और संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करने का आरोप लगाया। प्रदर्शन की शुरुआत भैयाथान रोड स्थित अग्रसेन भवन से हुई, यहां एकत्रित भाजपा कार्यकर्ता हाथों में पार्टी के झंडे और तख्तियां लेकर पैदल मार्च में शामिल हुए,पदयात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए केतका रोड स्थित रंगमंच पहुंची, जहां इसका समापन विशाल जनसभा के रूप में हुआ,इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी राजनीतिक प्रतिक्रिया दर्ज कराई। प्रदर्शन में 'एसआईआर रोकना एक बहाना है,घुसपैठियों को बचाना है' जैसे नारे भी लगाए गए।

लक्ष्मी राजवाड़े ने एसआईआर के विरोध पर उठाए सवाल-कैबिनेट मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रहित और पारदर्शी व्यवस्था से जुड़े कार्यों में बाधा डालना कांग्रेस की पुरानी आदत बन चुकी है, उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया का विरोध करने को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि मतदाता सूची को दुरुस्त करने की प्रक्रिया में रोड़े अटकाने से गलत तरीके से मतदाता सूची में शामिल नामों की पहचान प्रभावित हो सकती है,उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा और लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़े विषयों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

संगठन को मजबूत रखने और घर-घर जवाब देने का आह्वान-भाजपा के संभागीय संगठन प्रभारी अवधेश चंदेल और जिला संगठन प्रभारी शिवनाथ यादव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठनात्मक एकजुटता पर जोर दिया,उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता लोकतांत्रिक व्यवस्था और जनता के अधिकारों के मुद्दे पर सजग है, कार्यकर्ताओं से आह्वान किया गया कि वे कांग्रेस के आरोपों और भाजपा के पक्ष को लेकर घर-घर तक संवाद स्थापित करें तथा जनता के बीच तथ्यों के साथ अपनी बात रखें।



अनुराग सिंह देव ने कहा...चुनावी हार से बौखलाई कांग्रेस

मुख्य वक्ता छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला,उन्होंने कहा कि चुनावों में लगातार मिल रही पराजय से कांग्रेस बौखलाई हुई है,अपनी राजनीतिक जमीन खिसकती देखकर वह 'वोट चोरी' का नैरेटिव गढ़कर चुनाव प्रक्रिया और संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने का प्रयास कर रही है,उन्होंने कहा कि देश की जनता कांग्रेस की राजनीति को समझ चुकी है और युवा पीढ़ी को भ्रमित करने की कोशिशों को सफल नहीं होने दिया जाएगा।

ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में भ्रम फैलाने का लगाया आरोप

विधायक शकुंतला पोर्ते एवं विधायक भुलन सिंह मरावी ने कहा कि कांग्रेस ग्रामीण और आदिवासी अंचलों के लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रही है,उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता ऐसे प्रयासों का जवाब देंगे और जनता के बीच वास्तविक स्थिति रखेंगे, वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा ने कहा कि देश के नेतृत्व में भारत विभिन्न क्षेत्रों में मजबूती से आगे बढ़ रहा है,उनके अनुसार विपक्षी दल इस प्रगति से असहज होकर अनर्गल आरोप लगा रहे हैं।

जिलाध्यक्ष ने संगठन की एकजुटता पर दिया जोर

भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी ने कहा कि सूरजपुर जिले का संगठन और कार्यकर्ता जनहित,लोकतांत्रिक व्यवस्था तथा राष्ट्रहित के मुद्दों पर संघर्ष के लिए तैयार हैं,उन्होंने कार्यकर्ताओं की बड़ी भागीदारी को संगठन की एकजुटता और सक्रियता का परिचायक बताया।

बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता रहे मौजूद

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणि पैकरा, वरिष्ठ नेता भीमसेन अग्रवाल,पूर्व जिलाध्यक्ष अजय गोयल,बाबूलाल अग्रवाल,रामकृपाल साहू सहित विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष, महामंत्री,जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं सदस्य,जनपद पंचायतों और स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और आम नागरिक उपस्थित रहे,भाजपा का यह प्रदर्शन केवल एक विरोध कार्यक्रम नहीं,बल्कि मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया को लेकर चल रही राजनीतिक बहस के बीच जिले में संगठन की ताकत दिखाने का प्रयास भी रहा। एक ओर भाजपा कांग्रेस के आरोपों को निराधार बताते हुए एसआईआर के समर्थन में खड़ी है,वहीं दूसरी ओर कांग्रेस की ओर से उठाए जा रहे चुनावी पारदर्शिता के सवालों पर राजनीतिक बहस जारी है,ऐसे में मतदाता सूची की शुद्धता, प्रक्रिया की पारदर्शिता और सभी पक्षों का भरोसा बनाए रखना चुनावी व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण विषय बना हुआ है।

निजी अस्पतालों में नर्सिंग होम एक्ट के पालन की जांच,वाड्रफनगर व महावीरगंज में संयुक्त टीम ने किया निरीक्षण...



-संवाददाता-
बलरामपुर,05 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

निजी स्वास्थ्य संस्थानों में मरीजों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार सुनिश्चित करने के लिए जिला स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में स्वास्थ्य,औषधि एवं पुलिस विभाग की संयुक्त जिला स्तरीय टीम ने विकासखंड वाड्रफनगर तथा रामानुजगंज क्षेत्र के महावीरगंज में संचालित निजी स्वास्थ्य संस्थानों का निरीक्षण किया। टीम ने नर्सिंग होम एक्ट के प्रावधानों के अनुरूप पंजीयन,आवश्यक दस्तावेज, चिकित्सकीय व्यवस्था एवं दवाइयों के रख-रखाव की जांच की। कमियां पाए जाने पर संबंधित संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह ने कहा कि जिले के सभी निजी स्वास्थ्य संस्थानों को नर्सिंग होम एक्ट सहित शासन के निर्धारित मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करना होगा। मरीजों की सुरक्षा, उचित उपचार एवं दवाइयों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना संस्था की जिम्मेदारी है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि निगरानी एवं निरीक्षण की यह कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। सीएमएचओ ने जिलेवासियों से अपील की है कि निजी स्वास्थ्य संस्थान में उपचार के दौरान किसी प्रकार की अनियमितता या मरीजों के हितों से जुड़ी शिकायत होने पर इसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग को दें।

एपीके फाइल खोलते ही महिला के खाते से 5 लाख 58 हजार की साइबर ठगी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

शहर के गांधीनगर थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला एपीके फाइल के झांसे में आकर साइबर ठगी का शिकार हो गई। महिला के खाते से साइबर ठगों ने 5 लाख 58 हजार 348 रुपये उड़ा दिए। रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक,गांधीनगर थाना क्षेत्र के गोधनपुर वार्ड 5 की शांति गुप्ता पति सुरेन्द्र प्रसाद गुप्ता (51) का आईसीआईसीआई बैंक में खाता है,जो उनके मोबाइल नंबर से लिंक है और वह उसी नंबर से फोन पे का संचालन करती है। 1 नवंबर को उसके खाते में 5 लाख 58 हजार 829 रुपये थे। 2 नवंबर को जब वह फोन पे से रुपये ट्रांसफर कर रही थी तो नहीं हुआ। शक होने पर जब उन्होंने फोन पे और बैंक स्टेटमेंट चेक किया तो होश उड़ गए,खाते में सिर्फ 481 रुपये शेष थे। फोन पे का हिस्ट्री देखने पर पता चला कि 1 से 2 नवंबर के बीच बिना उनकी सहमति के कई बार में 5 लाख 58 हजार 348 रुपये अलग-अलग खातों और ऐप में ट्रांसफर कर लिए गए हैं।

मोबाइल को ठग कर लिए थे हैक

महिला ने तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करके इसकी शिकायत की। वहां से उन्हें दो एकनालेजमेंट नंबर मिले। साइबर टीम ने बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके मोबाइल पर एपीके फाइल के जरिए एक लिंक भेजा था। अनजाने में उस लिंक पर क्लिक करते ही मोबाइल का कंट्रोल ठगों के पास चला गया और खाता खाली हो गया। पीड़िता ने गांधीनगर थाना में अपराध दर्ज कराई है।

बिजली ट्रांसफार्मर और केबल तार चोर गिरोह का पर्दाफाश,दो आरोपी गिरफ्तार

छह चोरी की वारदातों का खुलासा,पिकअप वाहन,मोटरसाइकिल,चोरी का सामान और नकदी सहित 10 लाख रुपये का मशरूका जब्त

उदयपुर पुलिस की कार्रवाई,ट्रांसफार्मर से तांबा कॉइल और बिजली के केबल तार करते थे चोरी,एक अन्य आरोपी फरार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में बिजली ट्रांसफार्मर और केबल तार चोरी करने वाले गिरोह के खिलाफ उदयपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छह चोरी की वारदातों का खुलासा करते हुए करीब 10 लाख रुपये कीमत का मशरूका जब्त किया है। जब्त सामग्री में पिकअप वाहन,मोटरसाइकिल, ट्रांसफार्मर की तांबे की कॉइल,केबल वायर और बिजली उपकरणों के अलावा चोरी के सामान की बिक्री से प्राप्त 76,900 रुपये नकद शामिल हैं। गिरोह का एक अन्य आरोपी अभी फरार है,जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 4 नवंबर 2026 की सुबह करीब 3 से 4 बजे के बीच उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम गुड़गांव में बिजली गुल होने पर ग्रामीण राजकुमार घर से बाहर निकले। इसी दौरान उन्हें आवाज सुनाई दी,जिसके बाद उन्होंने देखा कि दो-तीन लोग बिजली ट्रांसफार्मर चोरी कर रहे हैं। ग्रामीणों को सूचना देने पर मौके पर पहुंचे लोगों ने एक आरोपी जसीम खान को पकड़ लिया,जबकि उसके दो साथी भागने में सफल रहे। चोरी गए ट्रांसफार्मर की कीमत लगभग 35 हजार रुपये बताई गई है। मामले में उदयपुर थाने में अपराध क्रमांक 196/2026 के तहत बीएनएस की धारा 305(ई),3(5) के अंतर्गत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीआईजी एवं सरगुजा एसएसपी राजेश अग्रवाल ने पुलिस टीम को आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और चोरी की संपत्ति बरामद करने के निर्देश दिए। विवेचना के दौरान पकड़े गए आरोपी जसीम खान से पूछताछ की गई। उसकी पहचान जसीम खान (28 वर्ष),पिता स्व. रशीद खान, निवासी हरिगवां,थाना रघुनाथनगर,जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के रूप में हुई। पूछताछ में उसने अपने साथी मोहम्मद तशरीफ खान एवं अन्य लोगों के साथ मिलकर ट्रांसफार्मर और केबल तार चोरी की कई वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस ने इसके बाद फरार आरोपी मोहम्मद तशरीफ खान की तलाश कर उसे पिकअप वाहन सहित पकड़ लिया। उसकी पहचान मोहम्मद तशरीफ खान (35 वर्ष), पिता मोहम्मद जलील खान,निवासी हरिगवां,थानारघुनाथनगर,जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के रूप में हुई।







तीन थानों में दर्ज छह मामलों का खुलासा : पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने उदयपुर थाना क्षेत्र में एक, लखनपुर थाना क्षेत्र में दो तथा कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र में तीन चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था। इस तरह पुलिस ने कुल छह मामलों का खुलासा किया है। आरोपियों के कब्जे से पिकअप वाहन क्रमांक यूपी64 सीटी 4079,मोटर साइकिल,76,900 रुपये नकद तथा ट्रांसफार्मर की तांबे की कॉइल,केबल वायर,क्लेम्प,कनेक्टर,लोहे के एंगल, वायरिंग बॉक्स,स्टे रॉड, स्टे वायर,धिरी, लोहे की पट्टी सहित बिजली से संबंधित अन्य सामान जब्त किया गया है।

पुलिस के अनुसार,गिरफ्तार दोनों आरोपी शातिर किस्म के हैं और इनके विरुद्ध पूर्व में भी कई अपराध पंजीबद्ध होने की जानकारी सामने आई है। प्रकरण में आरोपियों के विरुद्ध धारा 111 बीएनएस भी जोड़ी गई है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। वहीं,मामले में शामिल एक अन्य फरार आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस अन्य थानों से भी आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी जुटा रही है।

इनकी रही सक्रिय भूमिका : संपूर्ण कार्रवाई में उदयपुर थाना प्रभारी निरीक्षक शिशिरकांत सिंह,प्रशिक्षु उप निरीक्षक भीखम लाल साहू,साइबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक रवि सिंह एवं संजय नागेश तथा आरक्षक मनीष सिंह,अमन पुरी, अजय शर्मा, रविन्द्र,हेमंत और सैनिक नीरज की सक्रिय भूमिका रही।

संभाग स्तरीय नाटक एवं लोक नृत्य प्रतियोगिता में कोरिया और सरगुजा जिले ने मारी बाजी

स्वास्थ्य, स्वच्छता और जीवन कौशल के प्रति जागरूकता का संदेश लेकर विद्यार्थियों ने दी आकर्षक प्रस्तुतियां



-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, छत्तीसगढ़ रायपुर के तत्वावधान में राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना के अंतर्गत संभाग स्तरीय नाटक (रोल प्ले) एवं लोक नृत्य (फोक डांस) प्रतियोगिता का आयोजन 4 नवंबर 2026 को शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,अम्बिकापुर में किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य शालेय विद्यार्थियों में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ जीवन कौशल का विकास करना था। प्रतियोगिता में सरगुजा संभाग के तीन जिलों से चयनित छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नाटक विधा में कुल 18 तथा लोक नृत्य विधा में 14 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

विद्यार्थियों ने जनसंख्या शिक्षा के विभिन्न विशिष्ट विषयों पर आधारित प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वास्थ्य,स्वच्छता एवं जीवन कौशल से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश दिए। प्रतियोगिता के परिणामों में नाटक (रोल प्ले) विधा में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुंदरपुर,जिला कोरिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं लोक नृत्य (फोक डांस) विधा में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय,ब्रम्हपारा,जिला सरगुजा ने प्रथम स्थान हासिल किया।

कार्यक्रम में संयुक्त संचालक डॉ. राजेश कुमार सिंह,सहायक संचालक श्री अनिल अग्रवाल,श्री शशिकांत सिंह,श्री प्रवीण सिन्हा एवं श्री रविशंकर तिवारी,प्राचार्य श्री एलपी गुप्ता एवं श्री एडवर्ड टोप्पो तथा व्याख्याता श्री शैलेन्द्र सेंगर सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अवैध महुआ शराब पर आबकारी विभाग की कार्रवाई,20 लीटर शराब व 60 किलो लाहन जप्त



-संवाददाता-
बलरामपुर,05 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

आबकारी विभाग की टीम ने बलरामपुर वृत्त में 4 नवंबर को अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 20 बल्क लीटर हाथ भट्ठी महुआ शराब एवं 60 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त किया। मामले में ग्राम अतोरी, चौकी डौरा निवासी पिंटू राम (27 वर्ष) के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(क)(च),34(2) एवं 59(क) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। कार्रवाई आबकारी उपनिरीक्षक श्री अभिषेक राजवाड़े के नेतृत्व में की गई। टीम में आबकारी उपनिरीक्षक श्री राकेश तिर्की,मुख्य आरक्षक श्री धर्मजीत राम शर्मा,आरक्षक श्री सचिन यादव व श्री प्रभात गुप्ता,महिला नगर सैनिक कलिस्ता एक्का व हेमंती तिर्की शामिल रहे।

CMYK



बिहान योजना के ऋण वितरण की जांच पर सवाल अधिकारी बोले...जांच हुई,कार्रवाई भी होगी!

सीईओ के आदेश के बाद जांच पूरी होने का दावा,लेकिन न रिपोर्ट सार्वजनिक हुई और न कार्रवाई की तस्वीर साफ,समूह की महिलाओं को अब भी निष्पक्ष कार्रवाई का इंतजार

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां,05 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित बिहान योजना ही अब सवालों के घेरे में है, स्व-सहायता समूहों को वितरित किए गए ऋण में कथित अनियमितताओं को लेकर जिला पंचायत सीईओ द्वारा जांच के आदेश दिए जाने के बाद उम्मीद जगी थी कि मामले की परतें खुलेंगी और वास्तविक हितग्राहियों के साथ हुए व्यवहार की सच्चाई सामने आएगी, लेकिन जांच के बाद भी स्थिति स्पष्ट नहीं होने से अब सवाल उठ रहे हैं कि आखिर जांच में क्या मिला और जिम्मेदारों पर कार्रवाई कब होगी? इस मामले में सबसे अहम बात यह है कि विभागीय अधिकारी जांच होने और कार्रवाई किए जाने की बात कह रहे हैं, ऐसे में अब विभाग को केवल यह कहने तक सीमित नहीं रहना चाहिए कि जांच हो गई है, बल्कि यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि जांच में कौन-कौन से तथ्य सामने आए, किन बिंदुओं का सत्यापन किया गया और यदि अनियमितता मिली है तो उसके लिए जिम्मेदार कौन हैं।

सीईओ के आदेश के बाद जांच, लेकिन नतीजा कहां?- बिहान योजना के अंतर्गत स्व-सहायता समूहों को दिए गए ऋण को लेकर पहले सवाल उठे थे। इसके बाद जिला पंचायत सीईओ ने मामले की जांच के निर्देश दिए थे। जांच का उद्देश्य ऋण वितरण की प्रक्रिया और वास्तविक हितग्राहियों तक राशि पहुंचने की स्थिति की पड़ताल करना था, ऐसे मामलों में समूहों के ऋण प्रस्ताव, बैठक की कार्यवाही, आवेदन, स्वीकृति संबंधी दस्तावेज,बैंक रिकॉर्ड और ऋण वितरण से जुड़े अभिलेखों का मिलान जरूरी होता है, इसके साथ ही यह भी देखना आवश्यक है कि स्वीकृत राशि वास्तव में संबंधित समूहों के बैंक खातों में पहुंची या नहीं और महिला सदस्यों को योजना का लाभ मिला अथवा नहीं, लेकिन अब तक जांच के निष्कर्षों की स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आने से हितग्राहियों के बीच असमंजस बना हुआ है, यदि जांच पूरी हो चुकी है तो उसकी रिपोर्ट और निष्कर्षों को लेकर पारदर्शिता क्यों नहीं दिखाई जा रही?

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की योजना में गड़बड़ी के आरोप गंभीर- बिहान योजना का मूल उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करना, उन्हें समूहों के माध्यम से स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाना है, ऐसे में ऋण वितरण में अनियमितता के आरोप केवल वित्तीय प्रक्रिया पर सवाल नहीं हैं, बल्कि उन महिलाओं के भरोसे से भी जुड़े हैं जिनके नाम पर यह योजना संचालित की जा रही है, अब जिला पंचायत और संबंधित विभाग के सामने चुनौती है कि जांच के निष्कर्ष स्पष्ट किए जाएं और यदि कहीं गड़बड़ी मिली है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाए,वहीं,यदि जांच में सभी प्रक्रियाएं सही पाई गई हैं तो इसकी तथ्यात्मक जानकारी भी सामने लाई जाए।

जांच हुई तो कार्रवाई किस आधार पर होगी?-

विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जांच हो चुकी है और कार्रवाई भी की जाएगी, अधिकारियों के इस बयान के बाद अब कार्रवाई की समय-सीमा और जांच के निष्कर्षों को लेकर जवाबदेही तय होना जरूरी है, सवाल यह है कि जांच में अनियमितता पाई गई है तो संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध अब तक क्या कदम उठाए गए हैं? क्या किसी अधिकारी, कर्मचारी या अन्य संबंधित व्यक्ति की भूमिका सामने आई है? क्या राशि के लेन-देन और बैंक रिकॉर्ड का मिलान किया गया है? यदि जांच में कोई गड़बड़ी नहीं मिली तो इसकी जानकारी सार्वजनिक कर हितग्राहियों की शंकाओं का समाधान क्यों नहीं किया जा रहा? सिर्फ जांच होने का दावा कर देना पर्याप्त नहीं है। जांच का उद्देश्य दोषियों की पहचान और वास्तविक हितग्राहियों को न्याय दिलाना होना चाहिए, कार्रवाई की बात तभी सार्थक होगी जब उसके पीछे जांच के स्पष्ट निष्कर्ष और ठोस कदम दिखाई दें।

फाइलों से आगे बढ़कर बैंक खातों तक पहुंचे जांच

बिहान योजना के ऋण वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए जांच केवल कागजी दस्तावेजों तक सीमित नहीं होनी चाहिए,प्रत्येक स्व-सहायता समूह के बैंक खाते,ऋण स्वीकृति,वास्तविक भुगतान और महिला सदस्यों तक पहुंची राशि का मिलान किया जाना जरूरी है,इसके अलावा समूह की महिला सदस्यों से सीधे बातचीत कर उनके बयान दर्ज किए जाने चाहिए, ताकि यह पता चल सके कि उन्हें वास्तव में कितनी राशि मिली,ऋण किस उद्देश्य से लिया गया और उसका उपयोग किस प्रकार किया गया,यदि किसी समूह के नाम पर ऋण स्वीकृत हुआ है तो यह भी सत्यापित होना चाहिए कि संबंधित समूह की महिलाओं को इसकी पूरी जानकारी थी या नहीं।

अब बयान नहीं, कार्रवाई का इंतजार

खड़गवां में बिहान योजना के ऋण वितरण को लेकर उठे सवालों का जवाब अब केवल आश्वासन से नहीं मिलने वाला, विभागीय अधिकारियों ने जांच होने और कार्रवाई की बात कही है, इसलिए अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि कार्रवाई कब और किसके विरुद्ध होती है,क्या जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर जिम्मेदारी तय होगी या फिर कार्रवाई का आश्वासन भी फाइलों में ही दर्ज होकर रह जाएगा? समूह की महिलाओं और स्थानीय स्तर पर उठ रहे सवालों का जवाब अब संबंधित विभाग को पारदर्शी जांच निष्कर्ष और ठोस कार्रवाई के माध्यम से देना होगा।

मेरा वोट, मेरी आवाज' प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा,लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति हुए जागरूक

विवेकानंद महाविद्यालय में निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित, संजना कश्यप और दिशा लकड़ा ने प्राप्त किया प्रथम स्थान



-संवाददाता-

एमसीबी,05 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय मनेन्द्रगढ़ में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एवं जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में निर्वाचन साक्षरता क्लब (ईएलसी) द्वारा 'मेरा वोट, मेरी आवाज' विषय पर निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. श्राबनी चक्रवर्ती के संरक्षण में आयोजित प्रतियोगिताओं का उद्देश्य विद्यार्थियों को निर्वाचन प्रक्रिया, मताधिकार के महत्व एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक करते हुए जिम्मेदार मतदाता बनने के लिए प्रेरित करना था।

महाविद्यालय के निर्वाचन साक्षरता क्लब के समन्वयक शरणजीत कुजूर के निर्देशन तथा आयोजन समिति के प्रभारी रंजीत मणि सतनामी एवं अनुपा तिग्गा के सहयोग से आयोजित प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। निबंध प्रतियोगिता में बी.कॉम. तृतीय सेमेस्टर की संजना कश्यप ने प्रथम एवं बी.ए. पंचम सेमेस्टर के अनिरुद्ध पटेल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में बी.ए. पंचम सेमेस्टर की दिशा लकड़ा प्रथम तथा बी.एससी. पंचम सेमेस्टर के सुनील सिंह द्वितीय स्थान पर रहे।

प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने लोकतांत्रिक व्यवस्था, निर्वाचन प्रक्रिया, मतदान के अधिकार एवं निष्पक्ष चुनाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने ज्ञान और विचारों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बताया गया कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक की जागरूक एवं जिम्मेदार भागीदारी आवश्यक है। इस आयोजन से विद्यार्थियों को मतदान के महत्व को समझने तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरणा मिली। प्रतियोगिताओं के मूल्यांकन एवं निर्णयन में प्राध्यापक डॉ. सुशील कुमार तिवारी,कमलेश पटेल,स्मृति अग्रवाल,भीमसेन भगत,सुनील कुमार गुप्ता एवं पुष्पराज सिंह का योगदान रहा। कार्यक्रम के सफल संचालन में महाविद्यालय के कार्यालयीन कर्मचारी मनीष श्रीवास्तव, बी.एल. शुक्ला, सुनीत जॉनसन बड़ा, मीना त्रिपाठी एवं साधना बुनकर सहित अन्य कर्मचारियों ने सहयोग प्रदान किया।

मतदाता सूची में दीपू की जगह दर्ज हुआ 'तुर्री टोला'! दस्तावेजों ने खोली एसआईआर-2026 की गड़बड़ी

मतदाता सूची में नाम की जगह दर्ज हुआ गांव का नाम,निर्वाचन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल

एक पंचायत में मतदाता सूची का यह हाल,पूरे जिले की सूची पर उठे सवाल

दीपू की पहचान पर निर्वाचन विभाग का सवालिया निशान! मतदाता सूची में नाम की जगह 'तुर्रीटोला'

एसआईआर-2026 की मतदाता सूची में बड़ी गड़बड़ी,पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने मांगी जिलेभर की जांच

मतदाता सूची में ऐसी लापरवाही कैसे? दीपू का नाम गायब, 'तुर्रीटोला' दर्ज

केल्हारी के दीपू, पिता सजनलाल के आधार कार्ड और मतदाता सूची में नाम अलग-अलग,पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने पूरे जिले की सूची की निष्पक्ष जांच की मांग की



-संवाददाता-

मनेंद्रगढ़,05 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत तैयार मतदाता सूची में नामों के सत्यापन को लेकर एक गंभीर विसंगति सामने आई है, ग्राम केल्हारी निवासी दीपू, पिता सजनलाल के पहचान संबंधी दस्तावेज और मतदाता सूची में दर्ज नाम के बीच अंतर दिखाई दे रहा है,उपलब्ध आधार कार्ड में संबंधित व्यक्ति का नाम 'दीपू' दर्ज है, जबकि मतदाता सूची के उपलब्ध अंश में क्रमांक 872 पर निर्वाचक का नाम 'तुर्री टोला' दर्ज दिखाई दे रहा है, दोनों दस्तावेजों में पिता का नाम सजनलाल होने से यह मामला और गंभीर हो गया है। इस विसंगति ने निर्वाचन विभाग की सत्यापन प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दस्तावेजों में नाम अलग,पिता का नाम एक-इस मामले में सामने आए दस्तावेजों के अनुसार आधार कार्ड में नाम दीपू, पिता का नाम सजनलाल,जन्मतिथि 8 जून 2007 और पता ग्राम केल्हारी दर्ज है, वहीं उपलब्ध मतदाता सूची के अंश में क्रमांक 872 पर निर्वाचक का नाम 'तुर्री टोला' और पिता का नाम सजनलाल दिखाई दे रहा है, मतदाता सूची में संबंधित प्रविष्टि के साथ आयु 18 वर्ष और लिंग पुरुष भी दर्ज है, दोनों दस्तावेजों में पिता का नाम समान होने के बावजूद निर्वाचक के नाम में इतना बड़ा अंतर कैसे आया, यह जांच का विषय है,क्या मतदाता सूची में नाम दर्ज करते समय किसी दूसरे विवरण को नाम के स्थान पर दर्ज कर दिया गया, अथवा डाटा एंट्री और सत्यापन के दौरान चूक हुई? इसकी वास्तविक वजह निर्वाचन विभाग की जांच से ही स्पष्ट हो सकेगी।

एक पंचायत में यह स्थिति तो पूरे जिले की जांच क्यों नहीं?-मामले को लेकर भरतपुर-सोनहत के पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने निर्वाचन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं,उन्होंने कहा कि जब एक पंचायत में मतदाता की पहचान से जुड़ी ऐसी विसंगति सामने आ रही है, तो पूरे जिले की मतदाता सूची की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, उन्होंने सवाल किया कि मतदाता सूची तैयार करने और प्रकाशित करने से पहले नामों तथा अन्य विवरणों का सत्यापन किस स्तर पर किया गया? कमरो के अनुसार मतदाता सूची में किसी व्यक्ति की पहचान ही गलत दर्ज होना सामान्य त्रुटि मानकर नजरअंदाज करने वाला मामला नहीं है,इससे संबंधित मतदाता को भविष्य में पहचान और मतदान के अधिकार से जुड़ी परेशानी हो सकती है।

राहुल गांधी के सवालों के बीच स्थानीय मामला बना चर्चा का विषय-मतदाता सूची और निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर राहुल गांधी द्वारा उठाए जा रहे सवालों के बीच केल्हारी का यह मामला स्थानीय स्तर पर राजनीतिक चर्चा का विषय बन गया है, पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने भी इस विसंगति को निर्वाचन प्रक्रिया की विश्वसनीयता से जोड़ते हुए जांच की मांग की है। हालांकि,एक प्रविष्टि के आधार पर पूरे जिले की मतदाता सूची में गड़बड़ी का निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता,लेकिन यह मामला सत्यापन व्यवस्था की गंभीरता को जरूर सामने लाता है।

नाम सुधार के साथ जिम्मेदारी भी तय हो...

पूर्व विधायक ने निर्वाचन विभाग से मांग की है कि संबंधित मतदाता के दस्तावेजों का मिलान कर नाम में तत्काल सुधार कराया जाए, साथ ही यह भी जांच की जाए कि गलती किस स्तर पर हुई और इसके लिए कौन जिम्मेदार है, उन्होंने पूरे जिले की मतदाता सूची में इसी तरह की विसंगतियों की जांच कराने की मांग भी की है।

अब निर्वाचन विभाग की सफाई का इंतजार

अब सवाल यह है कि आधार कार्ड में दीपू और मतदाता सूची में 'तुर्री टोला' दर्ज होने की स्थिति कैसे बनी? क्या संबंधित मतदाता का सत्यापन किया गया था? क्या यह डाटा एंट्री की गलती है या किसी अन्य स्तर पर हुई चूक? निर्वाचन विभाग इस विसंगति को कब तक सुधारेगा? मतदाता सूची की शुद्धता लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बुनियादी शर्त है, इसलिए इस मामले में केवल नाम सुधारना ही पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि गलती के कारण और जिम्मेदारी की भी जांच होनी चाहिए।

रचनात्मकता की सराहना,बोर्ड परीक्षा में सफलता का मंत्र-शिक्षा अधिकारी ने परखा विद्यार्थियों का ज्ञान

नगर,चरचा और महलपारा के विद्यालयों का निरीक्षण, नियमित अध्ययन और कठिन विषयों पर विशेष ध्यान देने की सलाह

-संवाददाता-

कोरिया,05 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी श्री जितेंद्र कुमार गुप्ता ने बुधवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नगर, स्वामी आत्मानंद विद्यालय चरचा और स्वामी आत्मानंद विद्यालय महलपारा का शैक्षणिक निरीक्षण किया। उन्होंने शिक्षण गतिविधियों का जायजा लेने के साथ विद्यार्थियों से संवाद कर आगामी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए मार्गदर्शन दिया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नगर में कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों द्वारा तैयार पेपर क्राफ्ट की प्रदर्शनी ने उनका ध्यान खींचा। विद्यार्थियों की कल्पनाशीलता और कलात्मक कौशल की सराहना करते हुए श्री गुप्ता ने कहा कि शिक्षा के साथ रचनात्मकता और व्यावहारिक कौशल का विकास भी आवश्यक है। ऐसी गतिविधियां बच्चों की प्रतिभा निखारने और उनके सर्वांगीण विकास में सहायक होती हैं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों से विषयवार प्रश्न पूछकर उनकी समझ और शैक्षणिक तैयारी का आकलन किया। उन्होंने स्वयं कक्षा लेकर शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया का भी जायजा लिया। बोर्ड परीक्षा की तैयारी के संबंध में श्री गुप्ता ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। नियमित अध्ययन,समय का सदुपयोग और निरंतर अभ्यास से बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को सुबह-शाम पढ़ाई करने, कठिन विषयों पर विशेष ध्यान देने तथा शिक्षकों से अपनी शंकाओं का समाधान कराने की सलाह दी। विद्यार्थियों ने पूरी लगन से तैयारी कर बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने और विद्यालय तथा माता-पिता का नाम रोशन करने का संकल्प लिया।



CMYK



दीपावली में विभाग की नींद खुली,बाकी साल मिलावट पर निगरानी कौन करेगा?

नमूने आज,रिपोर्ट कल...तब तक बिक चुकी होंगी मिठाइयां!

खाद्य सुरक्षा का त्योहार स्पेशल अभियान, सालभर की निगरानी पर बड़ा सवाल

मिठाइयों की शुद्धता जांचने निकला विभाग,अब रिपोर्ट और कार्रवाई का इम्तिहान

सैंपल लेकर जिम्मेदारी पूरी? सूरजपुर में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्यप्रणाली कठघरे में...

त्योहार में जागता है खाद्य सुरक्षा विभाग, बाकी 11 महीने किसके भरोसे जनता की सेहत?

दीपावली आते ही मिठाइयों की शुद्धता याद आई, दुकानों से नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजे...

रिपोर्ट आने तक त्योहार गुजरने का अंदेशा, कार्रवाई के नाम पर सिर्फ नोटिस और आश्वासन?

सूरजपुर में खाद्य सुरक्षा अभियान की औपचारिकता पर सवाल,नियमित जांच और कथित मासिक लेन-देन के आरोपों की निष्पक्ष पड़ताल जरूरी

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,05 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

त्योहार आया तो खाद्य सुरक्षा विभाग भी जाग गया! दीपावली नजदीक आते ही अचानक अधिकारियों को मिठाइयों की शुद्धता, खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और आम नागरिकों की सेहत की चिंता सताने लगी,टीम मैदान में उतरी, दुकानों का निरीक्षण हुआ, मिठाइयों के नमूने लिए गए और उन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजने की कार्रवाई शुरू हो गई, विभाग की ओर से अभियान की जानकारी भी जारी कर दी गई, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या खाद्य सुरक्षा विभाग की जिम्मेदारी केवल त्योहारों के आसपास निरीक्षण और नमूना संग्रहण तक सीमित रह गई है? साल के बाकी दिनों में आम नागरिक जो मिठाइयां, नाश्ता और अन्य खाद्य सामग्री खरीदते हैं, उनकी गुणवत्ता की निगरानी कौन करता है? सूरजपुर जिले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन की मौजूदा सक्रियता ने एक बार फिर विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं, हर बार त्योहार के आसपास विशेष जांच अभियान शुरू होता है, कुछ दुकानों का निरीक्षण किया जाता है,नमूने लिए जाते हैं और फिर जांच रिपोर्ट का इंतजार शुरू हो जाता है,लेकिन जब तक प्रयोगशाला से रिपोर्ट आती है, तब तक त्योहार का प्रमुख समय निकल जाने की आशंका रहती है,ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि किसी खाद्य पदार्थ में मिलावट या गंभीर गुणवत्ता संबंधी कमी पाई जाती है,तो उस रिपोर्ट का त्योहार के दौरान खरीदारी कर चुके उपभोक्ताओं के लिए क्या महत्व रह जाएगा?

त्योहारों में ही क्यों याद आती है शुद्धता?

खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता कोई मौसमी मुद्दा नहीं है, मिठाई की दुकान हो, होटल हो, रेस्टोरेंट हो या नमकीन और अन्य खाद्य सामग्री बेचने वाला प्रतिष्ठान–हर जगह स्वच्छता और निर्धारित मानकों का पालन पूरे वर्ष जरूरी है,इसके बावजूद विभाग की सक्रियता अक्सर दीपावली,होली और अन्य बड़े त्योहारों के आसपास ही अधिक दिखाई देती है,सवाल यह है कि क्या जिले में सामान्य दिनों में भी इसी गंभीरता से निरीक्षण किया जाता है? कितने खाद्य प्रतिष्ठानों की नियमित जांच होती है? कितने नमूने लिए जाते हैं? कितने मामलों में मिलावट या अमानक खाद्य सामग्री की पुष्टि हुई और कितने संचालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई? विभाग के पास यदि इन सवालों के जवाब हैं तो उन्हें सार्वजनिक करने में परेशानी क्यों होनी चाहिए? केवल त्योहारों में कुछ दुकानों पर पहुंचकर नमूने लेना और प्रेस विज्ञप्ति जारी कर देना खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने का पर्याप्त प्रमाण नहीं हो सकता।

जनता की सेहत से बड़ा कोई त्योहार नहीं...

खाद्य सुरक्षा विभाग ने अभियान निरंतर जारी रखने की बात कही है,लेकिन जिले के नागरिकों को केवल यह भरोसा दिलाना पर्याप्त नहीं कि नमूने लिए जा रहे हैं, उन्हें यह भी पता होना चाहिए कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की निगरानी पूरे वर्ष हो रही है और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर बिना किसी भेदभाव के कार्रवाई की जा रही है, कलेक्टर और संबंधित विभागीय अधिकारियों को इस अभियान की समीक्षा कर नियमित निरीक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए,नमूनों की जांच में अनावश्यक देरी रोकने,रिपोर्ट समय पर प्राप्त करने और परिणाम के आधार पर कार्रवाई करने की समयबद्ध व्यवस्था भी जरूरी है, सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या सूरजपुर में खाद्य सुरक्षा विभाग की सक्रियता दीपावली की मिठाइयों तक ही सीमित रहेगी? क्या त्योहार खत्म होते ही निरीक्षण और शुद्धता की चिंता भी ठंडे बस्ते में चली जाएगी? आम नागरिकों को त्योहारों में केवल शुद्धता का आश्वासन नहीं, बल्कि साल के 365 दिन सुरक्षित खाद्य सामग्री मिलने का भरोसा चाहिए, विभाग को यह साबित करना होगा कि उसकी जिम्मेदारी सिर्फ नमूने लेने और विज्ञप्ति जारी करने तक नहीं, बल्कि मिलावट पर प्रभावी रोक लगाने और दोषियों को जवाबदेह बनाने तक है।

नमूना संग्रहण ही उपलब्धि है तो कार्रवाई कौन करेगा?

खाद्य सुरक्षा अभियान की सफलता नमूनों की संख्या गिनने से तय नहीं होती, वास्तविक सफलता तब होगी, जब अमानक खाद्य सामग्री की पहचान हो, दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई हो और भविष्य में ऐसी गड़बड़ी रोकने के लिए नियमित निगरानी की व्यवस्था बने,यदि किसी प्रतिष्ठान में साफ-सफाई की कमी मिलती है तो केवल सुधार सूचना जारी कर देना पर्याप्त नहीं होना चाहिए। यह भी देखा जाना चाहिए कि निर्धारित समय में सुधार हुआ या नहीं,इसी तरह नमूनों की रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई का रिकॉर्ड भी सामने आना चाहिए,विभाग को यह स्पष्ट करना चाहिए कि पिछले एक वर्ष में कितने नमूने लिए गए,कितने नमूने अमानक पाए गए,कितने मामलों में नोटिस जारी हुए,कितने प्रकरणों में जुर्माना लगाया गया और कितने मामलों में न्यायालयीन कार्रवाई की गई, इन आंकड़ों से ही पता चलेगा कि विभाग की कार्रवाई वास्तव में कितनी प्रभावी रही।

कथित मासिक लेन-देन की चर्चा, निष्पक्ष जांच से ही खुलेगी सच्चाई...

खाद्य प्रतिष्ठानों और विभागीय अमले के बीच कथित सांठगांठ तथा कुछ प्रतिष्ठानों से मासिक आर्थिक लाभ पहुंचाए जाने जैसी चर्चाएं भी समय-समय पर उठती रही हैं,आरोप यह भी लगाए जाते हैं कि कुछ प्रतिष्ठानों को नियमित निरीक्षण और कार्रवाई से राहत मिलती है,हालांकि,इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि के लिए ठोस साक्ष्य और निष्पक्ष जांच आवश्यक है,लेकिन इन चर्चाओं को नजरअंदाज करना भी विभागीय पारदर्शिता के हित में नहीं है,यदि कहीं ऐसी शिकायतें हैं तो जिला प्रशासन को उनकी जांच करानी चाहिए, निरीक्षण की तारीख, संबंधित अधिकारी,लिए गए नमूने, प्रयोगशाला रिपोर्ट और की गई कार्रवाई का विवरण सार्वजनिक किया जाना चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार की पक्षपातपूर्ण कार्रवाई या कथित मिलीभगत की आशंका समाप्त हो सके।

रेल सुविधा के नाम पर जनता को कब तक दिखाएंगे सब्जबाग?

रेणुका सिंह पर गुलाब कमरो का तीखा हमला



-संवाददाता-

एमसीबी,05 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र में रेल सुविधा को लेकर सियासत गरमा गई है, पूर्व मंत्री एवं वर्तमान विधायक रेणुका सिंह के रेल सुविधा संबंधी बयान पर पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने तीखा पलटवार करते हुए उन्हें जमकर घेरा है,गुलाब कमरो ने कहा कि चुनाव के समय रेणुका सिंह ने जनता से रेल सुविधा उपलब्ध कराने का वादा किया था,लेकिन लगभग तीन साल बीतने को हैं और अब जनता को यह कहकर समझाया जा रहा है कि रेल सुविधा शुरू होने में समय लगता है, आखिर जनता कब तक इंतजार करे? चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे करना और सत्ता में आने के बाद समय का हवाला देकर जिम्मेदारी से बचना कहां तक उचित है? कमरो ने कटाक्ष करते हुए कहा कि सच्चाई यह है कि विधायक जी राज्य के बजट से क्षेत्र के लिए एक भी ठोस काम नहीं करा पा रही हैं, लेकिन केंद्र सरकार के बजट से होने वाले कार्यों का श्रेय लेने और उनकी बातें करने में पीछे नहीं हैं, उन्होंने कहा,'दीदी,केंद्र सरकार के कार्यों के लिए क्षेत्र के सांसद जी पर्याप्त हैं। आपको केंद्रीय मंत्री बनने का दिखावा करने की जरूरत नहीं है, पहले यह बताइए कि राज्य के बजट से जनकपुर और पूरे भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र को क्या मिला? क्षेत्र के विकास के लिए आपने कौन-कौन से ठोस कार्य स्वीकृत कराए? जनता को उसका हिसाब दीजिए।

दीदी, अब जनता को गुमराह करना और झूठ बोलना बंद करिए, तीन साल बाद भी रेल सुविधा पर सिर्फ बहानेबाजी क्यों?-पूर्व विधायक ने सवाल उठाया कि चुनाव के दौरान किए गए वादों और आज दिए जा रहे बयानों के बीच इतना अंतर क्यों है? क्या जनता ने सिर्फ आश्वासन सुनने और इंतजार करने,और सफाई देने के लिए आपको अपना जनप्रतिनिधि चुना है? उन्होंने कहा कि आप बताए कि रेल सुविधा का चुनावी वादा कब पूरा होगा और भरतपुर-सोनहत के विकास का हिसाब जनता को कब मिलेगा?

19 साल की मिठास, शुद्धता का विश्वास...बंसल स्वीट्स ने बनाई छत्तीसगढ़ में खास पहचान

स्वयं की डेयरी के दूध से तैयार खोवा और छेना की मिठाइयां,पारंपरिक स्वाद के साथ ड्राईफ्रूट्स गिफ्ट पैक और नमकीन की भी विस्तृत रेंज

-संवाददाता-

अंबिकापुर/सूरजपुर,05 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

मिठाइयों की दुनिया में स्वाद के साथ शुद्धता और गुणवत्ता का भरोसा कायम करना किसी भी प्रतिष्ठान के लिए बड़ी उपलब्धि होती है। इसी भरोसे और अपने स्वाद के दम पर बंसल स्वीट्स ने पिछले 19 वर्षों में ग्राहकों के बीच एक खास पहचान बनाई है, पारंपरिक मिठाइयों से लेकर आकर्षक ड्राईफ्रूट्स गिफ्ट पैक तक, यहां ग्राहकों की पसंद और जरूरत के अनुरूप कई तरह की वैरायटी उपलब्ध कराई जा रही है। बंसल स्वीट्स के संचालक निखिल कुमार अग्रवाल के अनुसार, प्रतिष्ठान की सबसे बड़ी विशेषता मिठाइयों में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की गुणवत्ता है, उन्होंने बताया कि यहां स्वयं की डेयरी से प्राप्त दूध से शुद्ध खोवा और छेना तैयार किया जाता है,जिसका उपयोग विभिन्न प्रकार की मिठाइयां बनाने में किया जाता है। उनका कहना है कि ग्राहकों को



बेहतर स्वाद और गुणवत्ता उपलब्ध कराना प्रतिष्ठान की प्राथमिकता रही है।

पारंपरिक मिठाइयों की विस्तृत रेंज- बंसल स्वीट्स में पारंपरिक और पसंदीदा मिठाइयों की कई किस्में उपलब्ध हैं, इनमें मोतीचूर लड्डू, काजू कतली, मूंग बर्फी,चंद्रकला,गोंद लड्डू,बेसन लड्डू,मिल्ककेक,कलाकंद,स्पेशल पिन्नी, गुलाब जामुन,सोहन पापड़ी,डोडा बर्फी, रसमलाई,छेना टोस्ट और नारियल लड्डू जैसी मिठाइयां शामिल हैं,इसके अलावा विभिन्न प्रकार की नमकीन सामग्री भी उपलब्ध कराई जाती है, जिससे ग्राहकों को एक ही स्थान पर मिठाई और नमकीन की विविधता मिल सके, संचालक निखिल कुमार अग्रवाल ने बताया कि इस बार ग्राहकों के लिए बकलावा और बाइट्स जैसे नए विकल्प भी उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि पारंपरिक मिठाइयों के साथ कुछ अलग स्वाद पसंद करने वाले ग्राहकों को भी विकल्प मिल सके।

त्योहार और शादी-ब्याह के लिए खास गिफ्ट पैक

त्योहारी सीजन, शादी-ब्याह, पारिवारिक समारोह और विशेष अवसरों पर उपहार देने के लिए यहां आकर्षक ड्राईफ्रूट्स गिफ्ट पैक और प्रीमियम ड्राईफ्रूट्स बॉक्स की व्यवस्था की गई है, ग्राहकों की पसंद और बजट के अनुसार अलग-अलग डिजाइन, पैकिंग और वैरायटी के विकल्प उपलब्ध हैं,खूबसूरत पैकिंग के साथ तैयार किए गए ये गिफ्ट पैक उपहार को खास बनाने का विकल्प प्रदान करते हैं।

19 वर्षों का सफर, ग्राहकों का विश्वास ही पहचान...

बंसल स्वीट्स का कहना है कि उनका उद्देश्य केवल मिठाइयों की बिक्री तक सीमित नहीं है,बल्कि हर त्योहार,उत्सव और पारिवारिक आयोजन को मिठास से जोड़ना है, 19 वर्षों के इस सफर में ग्राहकों का विश्वास और पसंद प्रतिष्ठान की पहचान का आधार रहा है, निखिल कुमार अग्रवाल के अनुसार,गुणवत्ता,स्वाद और ग्राहकों की संतुष्टि को प्राथमिकता देते हुए प्रतिष्ठान लगातार अपनी उत्पाद श्रृंखला में नए विकल्प जोड़ रहा है, पारंपरिक मिठाइयों के साथ आधुनिक गिफ्ट पैक और नमकीन की उपलब्धता के माध्यम से बंसल स्वीट्स ग्राहकों को विविध विकल्प उपलब्ध कराने का प्रयास कर रहा है।

अवैध रेत परिवहन पर संयुक्त कार्रवाई...एक मिनी हाईवा और चार ट्रैक्टर जब्त'

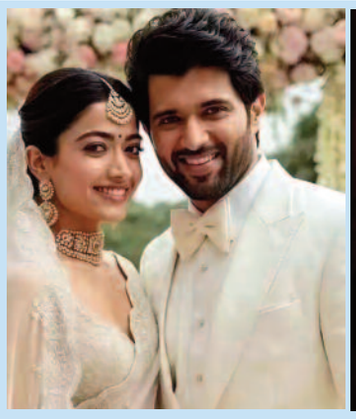
'खनिज विभाग और यातायात पुलिस ने की कार्रवाई, बिना पारपत्र रेत परिवहन करते मिले वाहन'

-संवाददाता-

कोरिया,05 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

कलेक्टर के निर्देश पर जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन,परिवहन और भंडारण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को खनिज विभाग और यातायात पुलिस की संयुक्त टीम ने बैकुंठपुर तहसील क्षेत्र में बिना पारपत्र रेत का परिवहन करते पाए गए एक मिनी हाईवा और चार ट्रैक्टर जब्त किए। खनिज अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में भ्रमण के दौरान पांचों वाहनों में बिना वैध पारपत्र के रेत परिवहन किया जाना पाया गया। जब्त वाहनों को अभिरक्षा में सिटी कोतवाली थाना बैकुंठपुर में रखा गया है। जब्त वाहनों में पंकज पांडे का मिनी हाईवा क्रमांक सीजी 16 सीएच 4388, विश्वनाथ राजवाड़े का फार्म ट्रैक्टर, अशोक जायसवाल का सोनालिका ट्रैक्टर, पंकज जायसवाल का पावर ट्रैक ट्रैक्टर तथा सोमरसाय का सोनालिका ट्रैक्टर शामिल हैं। विभाग के अनुसार,संबंधित वाहन मालिकों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम,2015 के नियम 71 के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं।







प्यार में हिट,बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप! इन स्टार जोड़ियों का नहीं चला जादू

बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय सिनेमा में असल जिंदगी की जोड़ियों को एक साथ पर्दे पर देखने के लिए दर्शकों में हमेशा उत्साह रहता है। फिल्म निर्माता भी लोकप्रिय सेलिब्रिटी कपल्स की केमिस्ट्री को बॉक्स ऑफिस पर सफलता की गारंटी मानते रहे हैं। हालांकि,हाल में रिलीज हुई कुछ फिल्मों के प्रदर्शन ने इस धारणा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोनाक्षी सिन्हा और ज़हीर इक़बाल से लेकर रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा तक,कई चर्चित जोड़ियों की फिल्मों को सिनेमाघरों में उम्मीद के मुताबिक दर्शक नहीं मिले। सोनाक्षी सिन्हा और ज़हीर इक़बाल की फिल्म तू है मेरी किरण तथा रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की रणबाली के कमजोर कारोबारी प्रदर्शन ने फिल्म उद्योग में नई चर्चा छेड़ दी है। इन दोनों जोड़ियों की निजी जिंदगी काफी चर्चित रही है,लेकिन उनकी लोकप्रियता बॉक्स ऑफिस पर अपेक्षित कमाई में तब्दील नहीं हो सकी।

सोनाक्षी सिन्हा और ज़हीर इक़बाल की फिल्म का निराशाजनक प्रदर्शन

सोनाक्षी सिन्हा और ज़हीर इक़बाल ने 23 जून 2024 को शादी की थी। लंबे समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने अपने रिश्ते को शादी में बदला। सोशल मीडिया पर यह जोड़ी अपनी तस्वीरों, वीडियो और निजी जिंदगी को लेकर अक्सर चर्चा में रहती है। दोनों की फिल्म तू है मेरी किरण 23 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इस फिल्म से उम्मीद की जा रही थी कि दर्शक असल जिंदगी के इस लोकप्रिय कपल को बड़े पर्दे पर देखने में दिलचस्पी दिखाएंगे। हालांकि,फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर बेहद कमजोर प्रतिक्रिया मिली। फ्री प्रेस जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक,फिल्म का कुल कारोबार लगभग 45 लाख रुपये तक ही पहुंच सका। यह आंकड़ा फिल्म की व्यावसायिक स्थिति को दर्शाता है। फिल्म में सोनाक्षी और ज़हीर की मौजूदगी प्रचार का महत्वपूर्ण हिस्सा थी, लेकिन दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने के लिए यह पर्याप्त साबित नहीं हुई। इस प्रदर्शन ने एक बार फिर दिखाया कि सोशल मीडिया पर लोकप्रियता और सिनेमाघरों में टिकट बिक्री दो अलग-अलग बातें हैं।

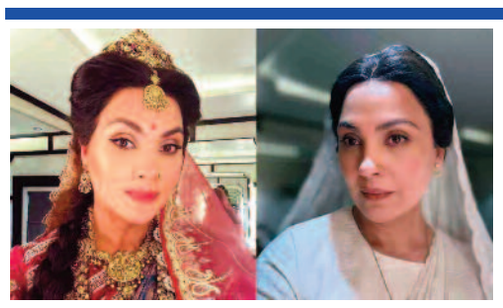
रश्मिका-विजय की रणबाली भी उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी

दक्षिण भारतीय सिनेमा के चर्चित अभिनेता विजय देवरकोंडा और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की जोड़ी भी लंबे समय से दर्शकों के बीच लोकप्रिय रही है। दोनों ने 26 फरवरी 2026 को शादी की थी। इसके बाद उनकी फिल्म रणबाली को लेकर दर्शकों में काफी उत्सुकता थी। 16 अक्टूबर 2026 को रिलीज हुई इस फिल्म में दोनों एक बार फिर साथ दिखाई दिए। फिल्म से उम्मीद थी कि शादी के बाद पर्दे पर उनकी वापसी दर्शकों को आकर्षित करेगी। लेकिन फिल्म का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। शुरुआती दिनों में तेलुगु भाषी क्षेत्रों से फिल्म को कुछ समर्थन मिला, जबकि हिंदी और विदेशी बाजारों में प्रतिक्रिया अपेक्षाकृत कमजोर रही। 5 नवंबर तक उपलब्ध ट्रेड रिपोर्ट के अनुसार,रणबाली ने 20 दिनों में भारत में लगभग 58.86 करोड़ रुपये की नेट कमाई की। फिल्म का अनुमानित विश्वव्यापी ग्रॉस कलेक्शन करीब 80.70 करोड़ रुपये बताया गया है। हालांकि,तीसरे सप्ताह में इसकी कमाई की रफ्तार काफी धीमी पड़ गई। बुधवार, 4 नवंबर को फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर लगभग 21 लाख रुपये का नेट कारोबार किया। इससे स्पष्ट है कि फिल्म ने शुरुआती उत्साह के बावजूद लंबे समय तक दर्शकों को सिनेमाघरों से जोड़े रखने में संघर्ष किया। रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की यह पहली फिल्म नहीं है। दोनों इससे पहले गीता गोविंदम और डियर कॉमरेड में साथ दिखाई दे चुके हैं। वर्ष 2018 में रिलीज हुई गीता गोविंदम बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता साबित हुई थी। फिल्म को दर्शकों ने काफी पसंद किया और दोनों कलाकारों की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री की जमकर तारीफ हुई। ट्रेड रिपोर्ट के अनुसार, गीता गोविंदम ने दुनियाभर में 123 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया था। इसके बाद वर्ष 2019 में रिलीज हुई डियर कॉमरेड को समीक्षकों और दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। फिल्म ने लगभग 37 करोड़ रुपये का विश्वव्यापी कारोबार किया, लेकिन व्यावसायिक उम्मीदों के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर सकी। अब रणबाली ने उनकी पिछली फिल्म डियर कॉमरेड की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है। इसके बावजूद बॉक्स ऑफिस पर इसकी रफ्तार को लेकर सवाल बने हुए हैं। का एक प्रभावशाली और एक्शन से भरपूर किरदार सामने आया था।

रामायण में यश: स्क्रीन प्रेजेंस और दमदार एक्टिंग से जीता दिल

जैसा कि रामायण को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है,एक प्रदर्शन जो सबसे अलग है और एक अमिट छाप छोड़ता है वह है रावण के रूप में यश। रावण जैसे बहुआयामी चरित्र में विशाल स्क्रीन उपस्थिति, तीव्रता और गहराई लाते हुए,यश ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह सिर्फ एक सुपरस्टार नहीं है जो स्क्रीन पर राज करता है,बल्कि एक कलाकार भी है जो हर फिल्म के साथ अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाता रहता है। स्क्रीन पर आते ही यश ध्यान आकर्षित कर लेते हैं। रावण का उनका चित्रण शक्ति,महत्वाकांक्षा,गर्व और जटिलता का सम्मोहक मिश्रण है। उनके चरित्र में एक उल्लेखनीय भिन्नता है,तपस्या और संयम के क्षणों से लेकर तीनों लोकों पर शासन करने वाले राजा की महिमा तक। दस सिरों वाला रावण सीक्वेंस उनके चित्रण की बारीकियों को प्रदर्शित करता है, चरित्र के कई पहलुओं और उनके व्यक्तित्व की विशालता को सामने लाता है। यश भूमिका में एक निश्चित गंभीरता लाते हैं, रावण को जीवन से भी बड़ा बनाते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि उनके चित्रण में गहराई है। उनके हाव-भाव, शारीरिक भाषा और स्क्रीन उपस्थिति एक साथ मिलकर एक ऐसा चरित्र बनाते हैं जो दृश्य समाप्त होने के बाद भी दर्शकों के साथ लंबे समय तक बना रहता है। फिल्म के सबसे आकर्षक क्षण यश के प्रदर्शन से उभरे हैं। कुबेर के साथ टकराव,इंद्र के खिलाफ लड़ाई और,विशेष रूप से, जटायु के साथ आमना-सामना कुछ सबसे बड़े आकर्षण के रूप में सामने आता है। जटायु बनाम रावण सीक्वेंस विशेष रूप से उल्लेखनीय है,इसके पैमाने, तीव्रता और दृश्य तमाशे ने भारतीय सिनेमा के लिए एक नया मानक स्थापित किया है। यश के प्रदर्शन को और भी महत्वपूर्ण बनाने वाली बात एक अभिनेता के रूप में उनकी यात्रा है। यश ने एक बार फिर प्रदर्शित किया है कि वह किसी विशेष छवि या चरित्र आदर्श तक सीमित नहीं हैं। रावण के साथ,वह अपनी बहुमुखी प्रतिभा और जटिल पात्रों को जीने की क्षमता का प्रदर्शन करते हुए एक पूरी तरह से अलग स्थान में प्रवेश करता है। अपने करियर के उस पड़ाव पर जहां वह फार्मूला-संचालित व्यावसायिक मनोरंजन पर आराम से भरोसा कर सकते थे, रावण जैसे चुनौतीपूर्ण और बहुआयामी चरित्र को अपनाने का उनका निर्णय एक अभिनेता के रूप में उनकी महत्वाकांक्षा और दृढ़ विश्वास के बारे में बताता है। अपने प्रदर्शन के अलावा,सह-निर्माता के रूप में रामायण में यश का योगदान भी ध्यान देने योग्य है। नमित मल्होत्रा के साथ साझेदारी करके, वह न केवल अपनी स्टार पावर बल्कि भारतीय सिनेमा के लिए एक बड़ा दृष्टिकोण भी लेकर आए हैं। उनकी भागीदारी हमारी संस्कृति और पौराणिक कथाओं में निहित भारतीय कहानियों को दुनिया भर के दर्शकों तक ले जाने की साझा महत्वाकांक्षा को दर्शाती है। एक अभिनेता और निर्माता के रूप में, यश ने लगातार पैमाने, कहानी कहने और भारतीय सिनेमा की सीमाओं को पार करने की क्षमता की गहरी समझ प्रदर्शित की है। सिनेमा के प्रति उनका दृष्टिकोण हमेशा विकास के बारे में रहा है। हालांकि उनका स्टारडम और जीवन से भी बड़ा व्यक्तित्व निर्विवाद है,लेकिन जो चीज उन्हें अलग करती है वह है जोखिम लेने,खुद को चुनौती देने और अपरिचित क्षेत्र का पता लगाने की उनकी इच्छा। रावण के साथ,उन्हें अपनी कला का एक ऐसा पहलू दिखाने का मौका मिलता है जिसे दर्शकों ने पहले शायद ही कभी देखा हो,और वह इसका भरपूर फायदा उठाते हैं। रामायण एक अभिनेता के रूप में यश की योग्यता और एक फिल्म निर्माता और निर्माता के रूप में उनके दृष्टिकोण का एक और प्रमाण है। वह भारतीय सिनेमा को बड़े पैमाने पर आगे बढ़ाने में योगदान देते हुए अपने लिए मानक ऊंचा करते रहे हैं। रावण में, दर्शक न केवल एक सुपरस्टार को उसके स्टारडम के चरम पर देखते हैं,बल्कि एक ऐसे अभिनेता को भी देखते हैं जो लगातार विकसित हो रहा है,प्रयोग कर रहा है और साबित कर रहा है कि उसकी सबसे बड़ी ताकत आश्चर्यचकित करने की उसकी क्षमता में है। यश सिर्फ एक फ्रेम में प्रवेश नहीं करता है; वह इसका मालिक है।



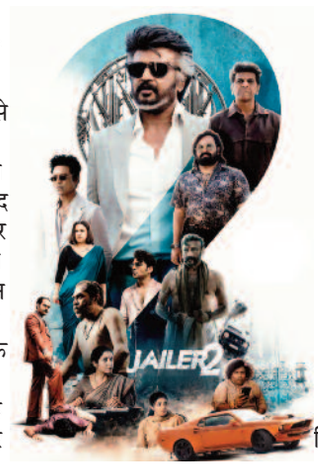


कैकेयी का किरदार निभाना मेरे लिए सौभाग्य

बॉलीवुड अभिनेत्री लारा दत्ता इन दिनों निर्देशक नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायण को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म 5 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस पौराणिक महाकाव्य में लारा दत्ता माता कैकेयी की महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। फिल्म की रिलीज के मौके पर अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक बेहद भावुक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने कैकेयी के किरदार को लेकर अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्हें इतिहास की सबसे गलत समझी जाने वाली महिलाओं में से एक बताया। इसके साथ ही उन्होंने अपने दिवंगत पिता को याद करते हुए भावुक संदेश लिखा। अभिनेत्री का यह पोस्ट अब चर्चा का विषय बना हुआ है। फिल्म रामायण में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता और यश रावण की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं,सनी देओल भगवान हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आ रहे हैं। इस भव्य फिल्म में लारा दत्ता का कैकेयी का किरदार भी कहानी के सबसे महत्वपूर्ण पात्रों में शामिल है।

800 करोड़ छापने के बाद अब ओटीटी पर छाएगी रजनीकांत की 'जेलर 2',तय हुआ ठिकाना

जनीकांत की 'जेलर 2' 12 नवंबर से प्राइम वीडियो पर पांच भाषाओं में स्ट्रीम होगी। फिल्म में मोहनलाल,ऋतिक रोशन और विजय सेतुपति के कैमियो हैं। सिनेमाघरों में इसने 820 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाए हैं। साउथ सिनेमा के सुपरस्टार रजनीकांत के फैंस के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन करने के बाद उनकी फिल्म 'जेलर 2' अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक देने जा रही है। प्राइम वीडियो ने फिल्म की ओटीटी रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। नेल्सन दिलीपकुमार के निर्देशन में बनी यह एक्शन ड्रामा 12 नवंबर से स्ट्रीम होगी। फिल्म में रजनीकांत एक बार फिर अपने लोकप्रिय किरदार टाइगर मुथुवेल पांडियन के रूप में नजर आएंगे। खास बात यह है कि फिल्म का प्रीमियर भारत के अलावा दुनियाभर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में किया जाएगा। बता दें, फिल्म बड़े पर्दे पर दुनियाभर में 800 से ज्यादा की कमाई कर चुकी है।



पांच भाषाओं में देख सकेंगे दर्शक

प्राइम वीडियो ने 5 नवंबर को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए 'जेलर 2' की ओटीटी रिलीज की जानकारी साझा की। प्लेटफॉर्म ने पोस्ट के साथ लिखा, 'टाइगर मुथुवेल पांडियन वापस आ गए हैं। रीलोडेड।' फिल्म 12 नवंबर से तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में उपलब्ध होगी। इस तरह अलग-अलग भाषाओं के दर्शक अपने पसंदीदा सुपरस्टार को एक बार फिर एक्शन अवतार में देख सकेंगे। फिल्म की पहली कड़ी 'जेलर' भी प्राइम वीडियो पर उपलब्ध होगी, जिससे दर्शक मुथुवेल पांडियन की कहानी के दोनों हिस्सों का आनंद ले पाएंगे।

परिवार की रक्षा के लिए फिर एक्शन में उतरेंगे मुथुवेल पांडियन

'जेलर 2' की कहानी पहली फिल्म की घटनाओं को आगे बढ़ाती है। इसमें रिटायर हो चुके जेलर मुथुवेल पांडियन को एक बार फिर अपनी पुरानी दुनिया में लौटना पड़ता है। इस बार एक ताकतवर आपराधिक सिंडिकेट उसके परिवार और करीबियों के लिए खतरा बन जाता है। ऐसे में वह अपने परिवार की सुरक्षा के लिए अपराधियों से भिड़ता है। पुराने दुश्मनों की वापसी और नए गठबंधनों के बीच मुथुवेल पांडियन किस तरह हालात का सामना करता है, यही फिल्म की कहानी का अहम हिस्सा है। सीक्वल में एक्शन के साथ भावनात्मक पहलुओं को भी प्रमुखता दी गई है।मोहनलाल,ऋतिक रोशन और विजय सेतुपति के खास कैमियो फिल्म की स्टारकास्ट भी काफी दमदार है। रजनीकांत के साथ मोहनलाल,ऋतिक रोशन और विजय सेतुपति विशेष भूमिकाओं में दिखाई देते हैं। इसके अलावा एस.जे. सूर्या, शिवराजकुमार, सूरज वेंजारामूडु, मिथुन चक्रवर्ती, विद्या बालन, राम्या कृष्णन, नमो नारायण और योगी बाबू भी अहम किरदारों में हैं।

खेल- समाचार

भारत ने सैफ कप में पाकिस्तान को धोया

पेनल्टी में भी गोल नहीं करने दिया, 3-2 से जीता मुकाबला

ढाका,05नवम्बर 2026। भारतीय फुटबॉल टीम ने सैफ चैंपियनशिप 2026 में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराकर जीत के साथ अभियान का आगाज किया है। गुरुवार को बांग्लादेश की राजधानी ढाका के नेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 3-2 से शिकस्त दी। खास बात यह रही कि भारत इस टूर्नामेंट में अपनी सेकेंड स्ट्रिंग टीम के साथ उतरा था, इसके बावजूद युवा खिलाड़ियों ने पाकिस्तान को पहले हाफ में पूरी तरह बैकफुट पर धकेल दिया। भारत ने हाफ टाइम तक 3-0 की बढ़त बना ली थी। पाकिस्तान को पेनल्टी से गोल करने का मौका भी मिला, लेकिन वह इसे भुना नहीं सका।

सुहैल भट ने 19 मिनट में दागे दो गोल

भारत की ओर से युवा स्ट्राइकर सुहैल अहमद भट ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच के 13वें मिनट में गोल करके भारत का खाता खोला। इसके बाद 19वें मिनट में एक और गोल दागकर टीम की बढ़त 2-0 कर दी। पाकिस्तान का डिफेंस भारतीय आक्रमण के सामने संघर्ष करता नजर आया। भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार दबाव बनाए रखा। मैच के 31वें मिनट में मैंगलेंथांग किपगेन ने गोल



करके स्कोर 3-0 कर दिया। इस तरह भारत ने पहले हाफ में ही मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली।

पेनल्टी पर पाकिस्तान नहीं कर सका गोल

पाकिस्तान के पास मैच में वापसी करने का अच्छा मौका था। पहले हाफ के 34वें मिनट में भारतीय खिलाड़ी के फाउल के बाद रेफरी ने पाकिस्तान को पेनल्टी दे दी। शायक दोस्त इस मौके पर गोल करने पहुंचे, लेकिन उनका शॉट क्रॉसबार के ऊपर से निकल गया। इस तरह भारत ने पाकिस्तान को पेनल्टी पर भी गोल नहीं करने दिया। पहले हाफ के अंत तक भारतीय टीम 3-0 से आगे रही।

आखिरी मिनटों में पाकिस्तान ने बढ़ाई धड़कनें

मैच के ज्यादातर हिस्से में भारत का दबदबा रहा, लेकिन आखिरी मिनटों में पाकिस्तान ने मुकाबले को रोमांचक बना दिया। इंजरी टाइम के 90+1वें मिनट में नजीब उल्लाह ने गोल करके स्कोर 3-1 किया। इसके तीन मिनट बाद 90+4वें मिनट में आलमगीर गाजी ने दूसरा गोल दाग दिया। अचानक स्कोर 3-2 होने से भारतीय खेमे की धड़कनें बढ़ गईं, लेकिन टीम ने अपनी बढ़त बरकरार रखी और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

क्यों सेकेंड टीम के साथ उतरा भारत?

भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में अपने कई सीनियर खिलाड़ियों के बिना उतरी है। दुनिया भर में चल रही घरेलू लीग और इंडियन सुपर लीग में व्यस्तता के कारण कई अनुभवी खिलाड़ी उपलब्ध नहीं थे। वहीं भारत की मुख्य टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की तैयारी कर रही है। कोच नौशाद मूसा की अगुवाई में युवा खिलाड़ियों को मौका दिया गया। इस टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करके अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। सुहैल भट और किपगेन जैसे खिलाड़ियों ने दिखाया कि भारतीय फुटबॉल का भविष्य मजबूत हाथों में है।

अब मालदीव से होगा भारत का अगला मुकाबला

सैफ चैंपियनशिप में भारत का अगला मुकाबला 11 नवंबर को मालदीव से होगा। भारतीय टीम की नजरें इस मुकाबले को जीतकर सेमीफाइनल में अपनी जगह मजबूत करने पर होंगी। भारत मौजूदा चैंपियन है और अब तक नौ बार इस प्रतियोगिता का खिताब जीत चुका है। टीम इस बार दसवीं बार ट्रॉफी अपने नाम करने के इरादे से मैदान में उतरी है।



अब दिल्ली नहीं विशाखापत्तनम में खेला जाएगा भारत-श्रीलंका वनडे सीरीज का पहला मैच

नई दिल्ली,05 नवम्बर 2026। भारत और श्रीलंका के बीच वनडे सीरीज के पहले मुकाबले का वेन्यू बदल दिया गया है। पहले यह मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में 13 दिसंबर को खेला जाना था, लेकिन अब इसकी मेजबानी विशाखापत्तनम को सौंप दी गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। अब सीरीज का पहला वनडे आंध्र प्रदेश के एसीए-व्हीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। हालांकि, मैच की तारीख और समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है। मुकाबला दोपहर 2 बजे शुरू होगा।बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने अपने बयान में बताया कि दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ की अपील पर वेन्यू में बदलाव किया गया है। इसके पीछे संभावित खराब मौसम और स्टेडियम में प्रस्तावित रिनोवेशन का काम प्रमुख वजह है।

कई मैच का वेन्यू बदला

अरुण जेटली स्टेडियम में बड़े स्तर पर रिनोवेशन का काम चल रहा है। इसके तहत स्टेडियम के ड्रेनेज सिस्टम को आधुनिक बनाया जा रहा है। साथ ही आउटफील्ड बदली जा रही है। यहां फिलहाल मिट्टी वाली आउटफील्ड है। इसे हटाकर रेत वाली आउटफील्ड तैयार की जा रही है। पिचों को दोबारा तैयार करने और मैदान में नई घास लगाने का काम भी होना है। इस काम के चलते दिल्ली में घरेलू क्रिकेट के मुकाबलों पर भी असर पड़ा है। दिल्ली की रणजी ट्रॉफी टीम को अपने घरेलू मुकाबले पालम स्थित एयरफोर्स ग्राउंड पर खेलने पड़े हैं, जबकि सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी के लीग मुकाबलों की मेजबानी सूरत को सौंप दी गई।

सानिया मिर्जा और महेश भूपति को मिली बड़ी जिम्मेदारी



नई दिल्ली,05 नवम्बर 2026। भारतीय टेनिस जगत से बड़ी खबर सामने आई है। देश की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा और पूर्व विश्व नंबर एक युगल खिलाड़ी महेश भूपति को अखिल भारतीय टेनिस संघ की जनरल बॉडी के लिए चुना गया है। दोनों दिग्गज खिलाड़ियों का चयन उत्कृष्ट उपलब्धियों वाले खिलाड़ियों की श्रेणी में हुआ है। इस फैसले को भारतीय टेनिस प्रशासन में एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। अब दोनों पूर्व खिलाड़ी खेल के विकास, खिलाड़ियों की सुविधाओं और प्रशासनिक निर्णयों से जुड़े मामलों में अपनी भूमिका निभा सकेंगे। सानिया मिर्जा और महेश भूपति ने अपने शानदार करियर के दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है। दोनों खिलाड़ियों के पास ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिताओं,अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों और उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धाओं का लंबा अनुभव है। ऐसे में उनके राष्ट्रीय टेनिस संघ की प्रशासनिक व्यवस्था का हिस्सा बनने से खिलाड़ियों के हितों को अधिक प्रभावी तरीके से सामने रखने की उम्मीद जताई जा रही है।भारतीय टेनिस प्रशासन में खिलाड़ियों की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से हाल के समय में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इसी प्रक्रिया के अंतर्गत सानिया और भूपति को जनरल बॉडी में प्रतिनिधित्व मिला है। इन चार प्रतिनिधियों में दो पुरुष और दो महिला खिलाड़ी शामिल होंगे। इसके अलावा संघ की 15 सदस्यीय कार्यकारी समिति में भी इसी श्रेणी से दो प्रतिनिधियों को स्थान दिया जाएगा,जिनमें एक पुरुष और एक महिला होगी।

114 पदकों के साथ भारत ने रचा इतिहास

नई दिल्ली,05 नवम्बर 2026। एशियन पैरा गेम्स 2026 में ऐतिहासिक प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन करने वाले भारतीय पैरा-एथलीटों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार, 5 नवंबर को मुलाकात की। राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने भारतीय दल के सदस्यों से बातचीत की और उनकी उपलब्धियों की सराहना की। जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन पैरा गेम्स में भारत ने रिकॉर्ड 114 पदक जीतकर अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। इस उपलब्धि ने भारतीय पैरा खेलों के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है।भारत ने इस प्रतियोगिता में कुल 30 स्वर्ण,35 रजत और 49 कांस्य पदक अपने नाम किए। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक, भारतीय दल के 97 पैरा-एथलीटों ने पदक जीतने में सफलता हासिल



की। यह प्रदर्शन इसलिए भी खास रहा क्योंकि भारत ने एशियन पैरा गेम्स के पिछले संस्करण में बनाए गए अपने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धि ने देश में पैरा खेलों की बढ़ती ताकत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को एक बार फिर साबित किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इससे पहले 25 अक्टूबर को भी सोशल मीडिया के माध्यम से खिलाड़ियों को बधाई दी थी। उन्होंने 114 पदकों की ऐतिहासिक उपलब्धि को पूरे देश के लिए गर्व और खुशी का अवसर बताया था। प्रधानमंत्री ने कहा था कि भारतीय पैरा-एथलीटों का असाधारण संकल्प और मेहनत लाखों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने इस सफलता में योगदान देने वाले प्रत्येक खिलाड़ी की सराहना की थी। गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में खिलाड़ियों के साथ उनके प्रशिक्षक,भारतीय पैरालंपिक समिति और भारतीय ओ एशियन पैरा गेम्स में 114 पदक जीतकर भारत ने रचा इतिहास, पीएम मोदी ने पैरा-एथलीटों से मुलाकात कर बढ़ाया हौसलानई दिल्ली। एशियन पैरा गेम्स 2026 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करने वाले भारतीय पैरा-एथलीटों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार,5 नवंबर को मुलाकात की। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों से बातचीत की और उनकी उपलब्धियों की सराहना की। जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन पैरा गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों ने रिकॉर्ड 114 पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। यह प्रतियोगिता के इतिहास में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।भारतीय दल ने इस बार कुल 30 स्वर्ण,35 रजत और 49 कांस्य पदक हासिल किए।

शराब घोटाले में रामगोपाल और मैनपावर घोटाले में अरुणपति त्रिपाठी को राहत,हाईकोर्ट से मिली जमानत

रायपुर,05 नवम्बर 2026। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल और मैनपावर घोटाले में आबकारी विभाग के पूर्व एमडी रहे अरुणपति त्रिपाठी को राहत मिली है। दोनों को बिलासपुर हाईकोर्ट ने जमानत दे दी है। बता दें कि रामगोपाल अग्रवाल को शराब घोटाला मामला में जमानत मिली है। कोल और चावल घोटाले में अभी उन्हें जेल में ही रहना पड़ेगा। वहीं मैनपावर घोटाला मामले में अरुणपति त्रिपाठी रायपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं। 95 दिन बाद उन्हें जमानत मिली है। इस मामले में वकील शशांक मिश्रा ने पैरवी की है। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले की जांच में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ा खुलासा किया था। एजेंसी के मुताबिक, शराब सिंडिकेट से जुटाए गए करीब 860 से 880 करोड़ रुपए रायपुर के शंकर नगर स्थित कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन पहुंचाए गए थे। ईडी का दावा था कि रामगोपाल अग्रवाल की निगरानी में यह पैसा कांग्रेस कार्यालय पहुंचाया गया। इस मामले में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्कालीन कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल की दो अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच किया गया है। इन संपत्तियों की कीमत करीब 9.06 करोड़ रुपए बताई गई है। ईडी ने 8 अक्टूबर को संपत्तियों को अटैच करने का आदेश जारी किया था। इसके बाद 9 अक्टूबर को रायपुर की विशेष पीएमएलए कोर्ट में रामगोपाल अग्रवाल के खिलाफ पूरक अभियोजन शिकायत दाखिल की। रामगोपाल अग्रवाल को 11 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल वे न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी की जांच के मुताबिक, शराब सिंडिकेट से मिलने वाली रकम का बड़ा हिस्सा लक्ष्मी नारायण बंसल उर्फ पप्पू बंसल संभालता था। आरोप है कि रामगोपाल अग्रवाल के निर्देश पर यह पैसा रायपुर के शंकर नगर स्थित कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन पहुंचाया जाता था। वहां रामगोपाल अग्रवाल के साथ काम करने वाले अकाउंटेंट देवेंद्र डढ़सेना को कैश सौंपे जाने का दावा किया गया है। ईडी के मुताबिक, इस पूरे लेनदेन में करीब 72 करोड़ रुपए रामगोपाल अग्रवाल के नियंत्रण में थे। इस रकम को उनके निर्देश पर रखने, इस्तेमाल करने या बांटने का आरोप है।



28.80 लाख कैश मिलने के बाद शुरू हुई जांच

मैनपावर घोटाले में जांच की शुरुआत 29 नवंबर 2023 को हुई थी। उस दिन प्रवर्तन निदेशालयने रायपुर में कार्रवाई के दौरान तीन लोगों से 28.80 लाख रुपए कैश जब्त किए थे। जांच एजेंसी को संदेह था कि यह रकम मैनपावर एजेंसियों के लंबित बिल पास कराने के बदले दिए जाने वाले कथित कमीशन से जुड़ी है। इसके बाद मिली जानकारी के आधार पर राज्य की आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा और एंटी करप्शन ब्यूरो ने केस दर्ज कर जांच शुरू की।

182.98 करोड़ के अतिरिक्त भुगतान का आरोप

मैनपावर घोटाले में जांच एजेंसियों के मुताबिक, साल 2019-20 से 2023-24 के बीच मैनपावर एजेंसियों को ओवरटाइम, बोनस, चार अतिरिक्त कार्य दिवस और सर्विस चार्ज के नाम पर करीब 182.98 करोड़ रुपए का अतिरिक्त भुगतान किया गया। आरोप है कि कर्मचारियों को इन मदों का वास्तविक लाभ नहीं मिला, जबकि एजेंसियों ने फर्जी और बढ़े हुए रिकॉर्ड के आधार पर भुगतान हासिल किया। जांच में यह भी आरोप लगाया गया कि इस रकम का एक हिस्सा नकद कमीशन के रूप में अधिकारियों और कथित सिंडिकेट तक पहुंचाया गया। अरुणपति त्रिपाठी के कार्यकाल के दौरान करीब 152.40 करोड़ रुपए के अतिरिक्त भुगतान की बात भी जांच में सामने आई है।

रायपुर में 1.18 करोड़ का वेतन घोटाला...आरक्षक गिरफ्तार

मां के खाते में ट्रांसफर किए सरकारी रुपए,चौथी वाहिनी की वेतन शाखा में था पदस्थ

रायपुर,05 नवम्बर 2026। छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग में 1 करोड़ 18 लाख रुपए की वित्तीय गड़बड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि चौथी वाहिनी की वेतन शाखा में पदस्थ एक आरक्षक ने सरकारी रकम अपनी मां के बैंक खाते में ट्रांसफर कर दी। मामले में माना थाना पुलिस ने आरक्षक कमलेश कुमार साहू को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, यह गड़बड़ी 1 नवंबर 2012 से 1 अप्रैल 2017 के बीच हुई। इस दौरान कमलेश कुमार साहू चौथी वाहिनी की वेतन शाखा में पदस्थ था। आरोप है कि उसने अपने पद का फायदा उठाकर वेतन शाखा से 1 करोड़ 18 लाख रुपए अपनी मां के बैंक खाते में जमा करा दिए।



5 साल तक खाते में भेजता रहा रकम

जांच में सामने आया है कि आरोपी ने एक साथ नहीं, बल्कि अलग-अलग समय पर यह रकम खाते में ट्रांसफर की। मामले का खुलासा होने के बाद शिकायत दर्ज कराई गई। इसके आधार पर माना थाना पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

वेतन शाखा के दूसरे कर्मचारी भी जांच के दायरे में

पुलिस अब यह पता लगा रही है कि वेतन शाखा की प्रक्रिया का इस्तेमाल कर इतनी बड़ी रकम कैसे ट्रांसफर की गई। इसके लिए किन दस्तावेजों और प्रक्रियाओं का सहारा लिया गया, इसकी भी जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि इस गड़बड़ी में वेतन शाखा के किसी दूसरे कर्मचारी या अधिकारी की भूमिका तो नहीं थी। जांच के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षा मंत्री के बंगले का घेराव

डीएड अभ्यर्थियों के साथ परिजनों को पुलिस ने घसीटकर बसों में भरा,नियुक्ति की मांग को लेकर कर रहे थे प्रदर्शन



रायपुर,05 नवम्बर 2026। छत्तीसगढ़ के डीएड अभ्यर्थियों का 2300 सहायक शिक्षक पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर पिछले 321 दिनों से जारी आंदोलन आज एक बार फिर चर्चा में आ गया। गुरुवार को 422 डीएड अभ्यर्थी अपने माता-पिता और परिवार के सदस्यों के साथ शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के बंगले पहुंचे और नियुक्ति की निश्चित तारीख घोषित करने की मांग को लेकर वहीं धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थियों का स्पष्ट कहना था कि जब तक सरकार 2300 सहायक शिक्षक पदों पर नियुक्ति की निश्चित तारीख घोषित नहीं करती, तब तक वे बंगले से नहीं उठेंगे। अभ्यर्थियों के अनुसार, मौके पर पहुंचे करीब 500 पुलिस जवानों ने उनके और परिवारजनों के खिलाफ कार्रवाई की। आरोप है कि महिला अभ्यर्थियों और उनके परिजनों को घसीटकर बसों में बैठाया गया तथा महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया गया। इसके बाद सभी को सेंट्रल जेल रायपुर ले जाया गया। अभ्यर्थियों का सवाल है कि एक ओर सरकार महिला सशक्तिकरण और बेटियों के सम्मान की बात करती है, वहीं दूसरी ओर अपनी नियुक्ति और न्याय की मांग कर रही बेटियों के साथ ऐसा व्यवहार क्यों किया जा रहा है? दीपावली जैसे पर्व पर भी अपने परिवार से दूर धरने पर बैठी छत्तीसगढ़ की बेटियों की पीड़ा आखिर सरकार कब समझेगी? डीएड अभ्यर्थियों का कहना है कि उनकी मांग कोई नई भर्ती या अतिरिक्त पदों की नहीं है, बल्कि 2300 सहायक शिक्षक पदों पर नियुक्ति और न्याय की है। उनका आरोप है कि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की भावना के अनुरूप नियुक्ति प्रक्रिया पूरी नहीं की जा रही है और पिछले 321 दिनों से उन्हें केवल आश्वासन मिल रहा है। अभ्यर्थियों ने सरकार से सवाल किया है कि क्या अपने संवैधानिक अधिकारों और नियुक्ति की मांग करना अपराध है? क्या प्रदेश की बेरोजगार बेटियों को न्याय मांगने के बदले जेल जाना पड़ेगा? शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के बंगले पर पहुंचे डीएड अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी है कि यदि आगामी कैबिनेट बैठक में 2300 सहायक शिक्षक पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो वे इससे भी अधिक संख्या में अपने परिवारजनों के साथ रायपुर पहुंचकर बड़ा आंदोलन करेंगे।

सर्राफा कारोबारी के काफिले को पुलिस एस्कॉर्ट

सड़क पर यातायात नियमों की उड़ीं धज्जियां कमिश्नरेट की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल...



रायपुर,05 नवम्बर 2026। राजधानी रायपुर में पुलिस की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में सर्राफा कारोबारी कार्तिक गिरि के लग्जरी वाहनों के लंबे काफिले के आगे रायपुर पुलिस की सफेद स्कॉर्पियो चलती दिखाई दे रही है। काफिले में शामिल कुछ लोग चलती गाड़ियों की खिड़कियों से बाहर निकलकर स्टंट करते भी नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर एक निजी कारोबारी के काफिले को पुलिस की पायलटिंग किस आधार पर उपलब्ध कराई गई? क्या कारोबारी को कोई विशेष सुरक्षा खतरा था? क्या पुलिस विभाग ने बाकायदा सुरक्षा आकलन किया था? क्या इसके लिए सक्षम अधिकारी की लिखित अनुमति ली गई थी? या फिर पुलिस की गाड़ी किसी निजी आयोजन और रसूख के प्रदर्शन का हिस्सा बन गई थी? पुलिस की गाड़ी और पुलिस बल का इस्तेमाल आमतौर पर कानून-व्यवस्था, वीआईपी सुरक्षा, आपातकालीन परिस्थितियों और अधिकृत सुरक्षा व्यवस्था के लिए किया जाता है। ऐसे में किसी निजी कारोबारी के काफिले के साथ पुलिस वाहन की मौजूदगी स्वाभाविक रूप से सवाल खड़े करती है। विभाग को स्पष्ट करना चाहिए कि संबंधित कारोबारी को किस श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त है? यदि सुरक्षा उपलब्ध कराई गई थी तो उसका आधार क्या था? पुलिसकर्मियों की तैनाती किस अधिकारी के आदेश पर हुई? क्या इसके लिए कोई आधिकारिक आदेश जारी किया गया था? पुलिस वाहन को इस काफिले के साथ भेजने का उद्देश्य क्या था? सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि क्या पुलिस विभाग की ओर से इस तैनाती का कोई रिकॉर्ड उपलब्ध है?

4 करोड़ की रंगदारी मांगी...अनवर ढेबर-कुबेर राठी पर एफआईआर

जमीन के पुराने सौदे को लेकर कारोबारी को पीटा,6 लोगों पर केस दर्ज

रायपुर,05 नवम्बर 2026। रायपुर में 4 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने अनवर ढेबर, कुबेर राठी समेत 6 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। कारोबारी बलिराम धरमानी (62) ने शिकायत दर्ज कराई, जिसके मुताबिक, जमीन के पुराने सौदे को लेकर आरोपियों ने बलिराम पर 4 करोड़ रुपए देने का दबाव बनाया। इस दौरान उनके साथ मारपीट की गई और पूरे परिवार को खत्म करने की धमकी भी दी गई। मामले में संदीप अग्रवाल, आसिफ मेमन, नागेंद्र कुमार और विवेक जोशी उर्फ मोंटी जोशी के नाम भी शामिल हैं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

2018 में हुआ था जमीन का सौदा : पुलिस को दी गई शिकायत के मुताबिक, कालीबाड़ी निवासी बलिराम धरमानी ने 2018 में बोरड परिवार की





लाभांडी स्थित करीब 2.60 लाख वर्गफीट जमीन का सौदा किया था। इसमें से 40 हजार वर्गफीट जमीन की रजिस्ट्री उनके नाम हो गई थी, जबकि बाकी जमीन के लिए एग्रीमेंट किया गया था। हालांकि, परिवार के सदस्यों के बीच विवाद के कारण बाकी जमीन की रजिस्ट्री नहीं हो सकी। शिकायत में आरोप है कि 2022 में संदीप अग्रवाल कटोरा तालाब स्थित बलिराम के कार्यालय पहुंचे थे। यहां उन्होंने विवादित जमीन की रजिस्ट्री कराने के बदले 4 करोड़ रुपए की मांग की थी।

होटल में बैठक के दौरान मारपीट करने का आरोप

बलिराम के मुताबिक,बाद में उन्होंने अपने नाम की 40 हजार वर्गफीट जमीन बोरड परिवार को वापस कर दी। इसके बदले उन्हें 3.15 करोड़ रुपए मिले। उनका दावा है कि इसके बाद बोरड परिवार के साथ कोई आर्थिक लेनदेन बाकी नहीं था। शिकायत के मुताबिक,26 सितंबर 2026 को रहमानिया चौक स्थित बबू प्लाजा में बैठक हुई। इस दौरान फिर से 4 करोड़ रुपए की मांग की गई। आरोप है कि अगले दिन 27 सितंबर को फाफाडीह के होटल वेलिंगटन में बैठक हुई। यहां बलिराम ने रकम देने से इनकार कर दिया तो अनवर ढेबर और कुबेर राठी ने उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की। बाकी आरोपियों पर भी धमकी देने का आरोप है। बलिराम का कहना है कि उन्हें और उनके पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई।

इन धाराओं में दर्ज हुआ केस

पुलिस ने 6 आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 308(2),351(3),296, 115(2), 61(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस जमीन के सौदे, आर्थिक लेन-देन और दोनों बैठकों से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। फिलहाल सभी आरोप शिकायत पर आधारित हैं। इनकी पुष्टि जांच के बाद होगी। मामले में गंज पुलिस ने ऑनलाइन एफआईआर को संवेदनशील (सेंसिटिव) श्रेणी में डाल दिया है। आमतौर पर महिलाओं और बच्चों से जुड़ी निजी जानकारियां सार्वजनिक होने से रोकने के लिए पुलिस इस व्यवस्था का इस्तेमाल करती है।

एफआईआर के बाद अमित जोगी बोले...

मैं भगोड़ा नहीं,गुजरात-पुलिस की सुरक्षा में हूं

रायपुर,05 नवम्बर 2026। पीएम मोदी और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर आपत्तिजनक पोस्ट करने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेटे और जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के अध्यक्ष अमित जोगी के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। पुलिस ने उनके घर में नोटिस चस्पा किया है। जिसके बाद अमित जोगी ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर खुद को भगोड़ा बताए जाने पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि वे कानून से भाग नहीं रहे हैं। गुजरात पुलिस की सुरक्षा में हैं। 2 से 8 नवंबर तक मित्रों के आमंत्रण पर पहले से तय कार्यक्रम में शामिल होने आए हैं। उन्होंने दावा किया कि उनके कार्यालय ने 30 अक्टूबर को ही छत्तीसगढ़ और गुजरात के पुलिस महानिरीक्षकों सहित संबंधित अधिकारियों को उनके कार्यक्रम की सूचना दे दी थी। जोगी ने सवाल उठाया कि जब उनसे व्यक्तिगत रूप से संपर्क किया जा सकता था, लेकिन उनके घर जाकर नोटिस चस्पा करने और उनकी मां-पत्नी को अपमानित किया गया।

राजनीतिक व्यंग्य को सांप्रदायिक अपराध बनाना लोकतंत्र पर हमला : अमित



जोगी ने एफआईआर में लगाई गई बीएनएस की धारा 196 पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह धारा सांप्रदायिक घृणा फैलाने से जुड़ी है। इससे अच्छा तो देशद्रोह का आरोप लगा देते। न जज हैं, न सुनवाई और न सबूत। जोगी ने कहा कि 'ज्ञानू और जानू' का मतलब बहुत साधारण था। आज चुनाव कराने से लेकर कौन वोट डालेगा, इसका अधिकार सिर्फ दो लोगों के पास है। जब तक यह व्यवस्था नहीं बदलेगी, चुनाव में भाग लेना उसे वैधता देने जैसा है। उन्होंने कहा कि यह मामला सिर्फ उनके लिए नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के लिए खतरनाक है,जो छत्तीसगढ़ में रहना और सांस लेना चाहते हैं। राजनीतिक व्यंग्य को सांप्रदायिक अपराध बनाना लोकतंत्र में असहमति के अधिकार पर हमला है।

अरस्तूफेनेस से लेकर विदूषक तक का दिया उदाहरण

अमित जोगी ने अपने वीडियो में राजनीतिक व्यंग्य के इतिहास का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्राचीन यूनान में पांचवीं शताब्दी ईसा पूर्व के नाटककार अरस्तूफेनेस ने अपने नाटक 'नाइट्स' में सीधे सत्ता में बैठे नेता क्लिओन पर प्रहार किया था। उस दौर में कॉमेडी ही स्वतंत्र प्रेस का काम करती थी। उन्होंने भारतीय परंपरा का उदाहरण देते हुए कहा कि भरतमुनि के नाट्यशास्त्र में विदूषक को राजा का करीबी मित्र बताया गया है। उसका काम हास्य के जरिए राजा को सचेत रखना था। आज के विद्वान उसे भारत का पहला पॉलिटिकल कार्टूनिस्ट भी कहते हैं। केरल में यह परंपरा आज भी जीवित है, जहां कलाकार धार्मिक कथाओं के बीच सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर व्यंग्य करते हैं।

अजय चंद्राकर बोले...अभिजीत और आशुतोष आम आदमी पार्टी के एजेंट...विपक्षी एकता के प्रदर्शन पर कहा- बड़े नेता जुटे, फिर भी खाली रह गईं कुर्सियां

बिलासपुर,05 नवम्बर 2026। दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी दलों की रैली में जुटी भीड़ को लेकर पूर्व मंत्री और कुरूद विधायक अजय चंद्राकर ने कांग्रेस समेत विपक्षी दलों पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि यह स्थापित तथ्य है कि आशुतोष रांका और अभिजीत दीपके आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता रहे हैं। अजय चंद्राकर ने कहा कि तेजस्वी यादव, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, उद्धव ठाकरे और राहुल गांधी जैसे बड़े नेताओं की मौजूदगी के बावजूद रामलीला मैदान में कुर्सियां खाली रह गईं। इससे विपक्ष की राजनीतिक ताकत और जनता के बीच उसकी स्वीकार्यता का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रदर्शन की सफलता का पैमाना क्या है, यह जनता तय करेगी। बिलासपुर दौरे पर पहुंचे पूर्व मंत्री और कुरूद विधायक अजय चंद्राकर ने 1 नवंबर को दिल्ली में हुए विपक्षी दलों के प्रदर्शन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों के पास अब न मूल विचार बचे हैं और न ही मौलिकता। जनता से जुड़े मुद्दों पर बात करने के बजाय संवैधानिक संस्थाओं और ईवीएम पर सवाल उठाए जा रहे हैं। अजय चंद्राकर ने कहा कि जब कांग्रेस ईवीएम से चुनाव जीतकर सत्ता में आती थी, तब उसे इस व्यवस्था से कोई परेशानी नहीं थी। लेकिन चुनाव हारने पर चुनाव आयोग और ईवीएम पर सवाल खड़े किए जाने लगते हैं। यह कांग्रेस की दोहरी राजनीति है। अजय चंद्राकर ने एसआईआर को लेकर कांग्रेस के आरोपों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के सभी बूथों पर कांग्रेस के बीएलओ तक नहीं हैं। ऐसे में देशभर की चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाना उचित नहीं है।



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वर्गीय विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा को दी भावभीनी श्रद्धांजलि...

समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए समर्पित रहा गुरुजी का जीवन : सीएम साय

रायपुर,05 नवम्बर 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय गुरूवार को दुर्ग जिले के भिलाई-3 स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में अहिवारा के दिवंगत विधायक स्वर्गीय डोमन लाल कोर्सेवाड़ा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने अहिवारा स्थित शासकीय महाविद्यालय का नामकरण स्वर्गीय डोमन लाल कोर्सेवाड़ा के नाम पर करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्वर्गीय कोर्सेवाड़ा का निधन छत्तीसगढ़ के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन के लिए अपूरणीय क्षति है। वे एक सरल, सहज,मृदुभाषी और मिलनसार जनप्रतिनिधि थे,जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समाज की सेवा और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। विशेष रूप से अनुसूचित जाति समाज के



विकास,सामाजिक सशक्तीकरण और क्षेत्र की प्रगति में उनका योगदान सदैव याद किया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्वर्गीय कोर्सेवाड़ा को लोग आत्मीयता के साथ 'गुरुजी' कहकर संबोधित करते थे। यह संबोधन उनके प्रति समाज के गहरे सम्मान और विश्वास का प्रतीक था। उन्होंने अपने व्यवहार और कार्यों से लोगों के दिलों में विशेष स्थान बनाया था। जनसेवा के प्रति उनकी निष्ठा और समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने की भावना आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेगी। मुख्यमंत्री साय ने स्वर्गीय कोर्सेवाड़ा के साथ जुड़े आत्मीय प्रसंगों को साझा करते हुए बताया कि जब वे उपचार के लिए हैदराबाद में भर्ती थे,तब उन्होंने स्वयं फोन कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली थी। साथ ही प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को भी हैदराबाद जाकर उनका हाल-चाल जानने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके स्वस्थ होकर लौटने की हम सभी को आशा थी, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। उनका जाना हम सभी के लिए अत्यंत पीड़ादायक है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्वर्गीय कोर्सेवाड़ा ने जनप्रतिनिधि के रूप में सदैव क्षेत्र के विकास और आमजन की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दी। उनकी स्मृतियों और जनसेवा की विरासत को चिरस्थायी बनाए रखने के लिए अहिवारा के शासकीय महाविद्यालय का नामकरण उनके नाम पर किया जाएगा। यह उनके प्रति प्रदेश सरकार और क्षेत्र की जनता की ओर से सम्मानपूर्ण श्रद्धांजलि होगी।

श्रद्धांजलि सभा में स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव,कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब,रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल और जगदलपुर विधायक किरण देव ने भी स्वर्गीय कोर्सेवाड़ा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर,जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक,कलेक्टर अभिजीत सिंह,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। सभी ने स्वर्गीय कोर्सेवाड़ा को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके योगदान को नमन किया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)

Most Popular Showroom of Jharkhand 2024

SINCE-2005

सोना महल®

विश्वास परंपरा का...

इस फेस्टिव मनाएं

स्वर्णोत्सव

सोना-चांदी, हीरे-पोल्की और खुशियों का जश्न

सबसे कम मेकिंग चार्ज, हर गहना आपके बजट में!

FLAT

8.50%

MAKING CHARGES ON HALLMARK GOLD JEWELLERY

On Diamond Purchase of

₹ 50,000 or Above

Silver Coin FREE



सोने की शुद्धता हेतु कैरेटमीटर द्वारा मुफ्त जांच

SONA MAHAL PROMISES

संपूर्ण पारदर्शिता | आजीवन फ्री मेंटेनेंस | हाॅलमार्क गोल्ड एक्सचेंज पर | बायबैक की गारंटी | BIS 916 हॉलमार्क वाला शुद्ध सोना | जांचे-परखे हुए प्रमाणित हीरे | FREE JEWELLERY INSURANCE

DALTONGANJ
Pandey Complex, Thana Road 9905230566
Star City Mall, Panch Muhan Chowk 9263648339

LATEHAR
1st Floor, Star City Mall
Barwadih 8757487892

AMBIKAPUR
Sadar Road, Mahamaya Chowk
Ambikapur 9771939632

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

धनतेरस एवं दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनांएं

परशु आभूषण भण्डार

निगम कॉम्प्लेक्स के सामने, गुदरी बाजार रोड, अंबिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)



हॉलमार्क सोने एवं चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

हमारे प्रतिष्ठान में धनतेरस के शुभ अवसर पर
सोने-चांदी के आभूषण, लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति,
चांदी के बर्तन, पुराने सिक्के, लक्ष्मी-गणेश के सिक्के
तथा सोने-चांदी के सिक्के एवं रत्नों की विशाल रेंज उपलब्ध है।

धनतेरस से छठ पर्व तक सोने के आभूषणों के मेकिंग चार्ज पर
11.11% तथा चांदी के आभूषणों के मेकिंग चार्ज पर 25% की विशेष छूट।

परशु आभूषण भण्डार एक बार फिर आपके लिए
लकी ड्रॉ के जरिए आकर्षक पुरस्कार लेकर उपस्थित है।

₹2,000 या उससे अधिक की खरीदारी पर पाएं एक कूपन।

कूपन का लकी ड्रॉ अगले साल 2027 के शारदीय नवरात्र
के अवसर पर होगा।



पिछले वर्ष ग्राहकों को दिए गए कूपनों का लकी ड्रॉ 13.10.2026 को हुआ।

आगामी लकी ड्रा में मिलेंगे- प्रथम पुरस्कार फोर व्हीलर कार, द्वितीय पुरस्कार स्कूटी (5), तृतीय पुरस्कार फ्रीज (5),
वाशिंग मशीन (5), चतुर्थ पुरस्कार मिक्सी (50) साथ में 1000 सांत्वना पुरस्कार

शुद्धता की पूर्ण गारंटी • 100% हॉलमार्क

आपका विश्वास ही हमारी पूंजी है!



श्री परशुराम सोनी



श्रीमती सुनीता सोनी



अंशुल सोनी



अमन सोनी

सुपर सेविंग योजना

1 नवम्बर से प्रारंभ हो गई है।

मासिक जमा रु.	11 माह में कुल जमा राशि	बोनस	आप पाएंगे रु. की जोरदी
1000	12000	1000	13000
2000	24000	2000	26000
3000	36000	3000	39000
4000	48000	4000	52000
5000	60000	5000	65000
10000	120000	10000	130000





लकी ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार प्राप्त मंजूलता प्रधान अपने कार के साथ

इसके अतिरिक्त अन्य सभी पुरस्कार डिलेटर्स के नाम व क्रम नम्बर इस प्रकार है -

द्वितीय पुरस्कार (स्कूटी) : मंजुला - 18018, सुप्रिया साहू - 20165, शशि तिवारी - 20458, तृतीय पुरस्कार (फ्रिज) : पार्वती 15203, देवनारायण - 8729, प्रज्ञा पैकरा - 14919, गायत्री सिंह - 22031, रमरीश - 13887,

चौथा पुरस्कार (वाशिंग मशीन) : ओ.पी.सिंह- 8383, भूनेश्वर जायसवाल- 7599, अंजु त्रिपाठी - 4318, सुनिता मेहता- 21097, नवीन सेन - 8207, पंचम पुरस्कार (मिक्सी) : भूनेश्वर जायसवाल- 7575, मंजुलता सिंह- 22983, आशीष मुगावार- 8045, राजेश रवा- 2375, हरिशंकर पांडिया- 1647, लोकनाथ राम - 2475, सन्तोष उपाध्या- 18082, मंगल- 3217, स्वाती उपाध्या- 5092, प्रदीप गुप्ता- 18598, मंजु गुप्ता - 2527, ज्ञानशंकर पाठक- 10179, पुष्पानन्द तिवारी - 12327, मनीष - 10710, सुरेखा - 2029, मोतीराम - 3339, नरेश - 1982, लेखन सिंह - 14456, श्याम सिंह - 12162, रैना वर्मिला - 16121, संदीप - 3944, स्वाती सिंका - 3478, शिवशंकर सोनी - 2254, राजकुमार राजवाड़े - 11900, शिवशंकर सोनी - 2236, सविता पाठक - 14085, राजकुमार राजवाड़े - 11892, नरेश देवासवानी - 12057, दिनेश सिंह - 21338, देवेश पाठक - 18030, इन्दु पैकरा - 12220, अमन सिंह - 2156, अब्दुल कलाम खान - 5578, संदीप पैकरा - 21459, शिव कुमार साहू - 13904, मनसा सिंह - 11515, खुशबू - 15601, शिवशंकर ओझा - 11217, शशि तिवारी - 20495, अमित सिंह - 8387, हरिशंकर पांडिया - 1478, शिवशंकर ओझा - 5735, प्रेमशंकर - 11728, अनुराधा पाठक - 12042, मो.जेनुलखान - 6254, सविता पाठक - 5341, देवकुमारी - 8083, गायत्री - 7117, आशीष नायक - 7482, दिनेश त्रिपाठी - 3314

सांत्वना पुरस्कार :

अनन्त मिश्र - 5493, नीतू पाठक - 3636, संतोष कुमार - 8395, संतोष उपाध्या - 18095, लेखराम राम - 2484, अब्दुलला अन्सारी - 12373, पप्पू खुशवाहा - 6026, हरिशंकर पांडिया - 1690, नेपा नायक - 18899, लेखन सिंह - 14458, रामसूरत - 21058, विनय सिंह - 19077, सुरेश - 18379, संतोष उपाध्या - 22831, भगत - 22340, जोगेन्द्र प्रसाद - 21425, विश्वनाथ - 21398, भगवान - 14072, सुनिता उपाध्या - 16659, नेहा - 22984, रामधनी - 11306, अजीत कश्यप - 18881, अनुराधा खुशवाहा - 12985, विनय सिंह - 19424, दीपक पाठक - 21510, शशि तिवारी - 20360, सुरेश गुप्ता - 20795, विनय सिंह - 10405, भानमती कौशलया - 1787, ज्ञानचन्द प्रजापति - 14744, ज्ञानचन्द प्रजापति - 14703, गायत्री सिंह - 21881, गायत्री पाठक - 16175, विष्णु गुप्ता - 9064, सुशिला तिवारी - 4516, रवि - 14947, विनोद ठाकुर - 22305, रमनी प्रजापति - 14296, प्रदीप पाठक - 7069, देवेश पाठक - 1862, राजकुमार राजवाड़े - 11884, देवकुमारी - 8020, लव कुमार तिवारी - 9932, विकास सिंह - 21186, सविता रवा - 17606, डी.डी.पाठक - 10342, सविता रवा - 16852, पप्पू खुशवाहा - 18555, अमित नायक - 19542, अनुराधा खुशवाहा - 12973, अनपा पाठक - 20864, गायत्री सिंह - 21889, लेखन रवा - 19808, पार्थिव साहू - 19107, अमित नायक - 19537, मिलन कुमार - 4367, रविता - 5970, दिपा मगर - 17401, अशोक खुशवाहा - 3560, रवि प्रजापति - 5497, संतोष ठाकुर - 22429, रमाशंकर पाठक - 1754, देव दिवाकर - 8199, दयानंद देवदास - 6413, पुष्पानन्द तिवारी - 16047, अक्का पाठक - 8501, गायत्री सिंह - 21971, रामसजीवन खुशवाहा - 22396, दिपक सिंका - 13604, प्रमोद गुप्ता - 16620, मंजुलता प्रधान - 22363, तिलगी - 7306, सविता रवा - 21612, दिनेश रजवाड़े - 10513, सविता सिंह - 21375, बनी नायक - 19738, देवकरण - 8709, संदीप - 8142, अब्दुल खुशवाहा - 14578, सविता पाठक - 14090, प्रेमलता पाठक - 16817, अमित सिंह - 19635, बाबनी प्रधान - 15342, दिपिका पाठक - 11661, अमरीशिला पाठक - 10198, बाबनी प्रधान - 15297, आम देवरी - 13486, रमनी खुशवाहा - 6761, विनोद ठाकुर - 22303, शशि तिवारी - 20389, लक्ष्मी - 10216, रमाती खुशवाहा - 4819, दीपक पाठक - 21203, भानमती कौशलया - 1780, प्रेमन नायक - 17314, अशोक पाठक - 22554, राय देवी - 16890, अम्बरीश खुशवाहा - 22526, अमित सिंह - 19634, विनय सिंह - 21409, सिटाराम दिवाकर - 13235, हीरा - 14833, लेखा सिंह - 2847, अमरीश रजवाड़े - 11783, रमाशंकर - 19197, अब्दुल खुशवाहा - 14573, राजन सिंह - 15106, पुष्पानन्द तिवारी - 12312, दिनेश रजवाड़े - 6814, पुनम - 12735, भानमती सिंका - 21790, खुशबू चन्दवे - 13294, दिवाकरी - 11603, दिपक रजवाड़े - 10505, शशि तिवारी - 20354, लक्ष्मिन दिवाकर - 6566, अब्दुल पाठक - 10443, देवनारायण - 8774, विनय पाठक - 13584, मनिषा सिंका - 15846, खुशबू चन्दवे - 15626, अक्का पाठक - 8499, संतोष पाठक - 8233, सुशिला - 12806, संतोष उपाध्या - 22846, अमित सिंह - 8388, ओम प्रकाश - 22380, दीपक सिंह - 2532, अशोक खुशवाहा - 3568, देवखुमारी - 8005, एम.डी.पाठक - 2094, भूनेश्वर जायसवाल - 7570, खलीना - 7047, त्रिपिका - 17160, देवनारायण - 8730, एम.डी.पाठक - 20577, विकास - 20590, पुष्पानन्द तिवारी - 1639, हरिशंकर पांडिया - 17500, अंकित नागवंशी - 22876, अंजली त्रिपाठी - 12269, सुन्नी रजवाड़े - 21355, संतोष सिंह - 11901, रेखा सिंह - 9152, राय नारायण - 22315, विनोद ठाकुर - 14499, आशीष तिवारी - 22476, सविता पाठक - 2702, हरिशंकर पांडिया - 15353, खुशबू चन्दवे - 11022, अन्ना पाठक - 14466, रोहन सिंह - 19147, मुनत मौर्यवंशी - 15672, रवि राय - 21074, अप्पू त्रिपाठी - 17620, सविता रवा - 10240, गोपाल रजवे - 21440, बन्धुवार - 11275, लोकन दास - 2239, शिवशंकर सोनी - 8291, सविता पाठक - 15726, लेखा सिंह - 9677, तोमनी पाठक - 15956, संजना - 18662, अमरा सिंह धोरन - 17630, सविता रवा - 16184, राय नारायण - 8151, संदीप - 10714, त्रिपिका नायक - 15677, दिनेश सिंह - 19236, लिलेश पाठक - 10630, रमनीश - 17288, बन्धोलेन - 18089, संतोष उपाध्या - 17980, विनय सिंह - 20725, नरेश - 12461, दीपक पाठक - 4261, शिवशंकरी रजवाड़े - 9703, तोमनी पाठक - 5473, पुजा अग्रवाल - 2355, नरेश पाठक - 6449, पुनम दीवे - 22444, मना पाण्डेय - 20785, विनोद अग्रवाल - 3249, दंडीर - 20493, शशि तिवारी - 19994, अमित सिंह - 15604, खुशबू चन्दवे - 13417, पोनेका सिंह - 14233, मंजरा राम - 16904, बाबनी - 17572, सुनिल गुप्ता - 4210, शिवशंकरी रजवाड़े - 21624, सविता रवा - 10659, दिलीप - 7860, अमृत - 11878, राजकुमार रजवाड़े - 19585, विनय सिंह - 4075, अंकित कुमार सिंका - 1594, हरिशंकर पांडिया - 15530, खुशबू चन्दवे - 6370, अंकित एक - 6534, अशोक तोमरे - 20813, अब्दुलला सिंह - 18044, संतोष उपाध्या - 16173, गायत्री पाठक - 12008, लेखा दिवाकर - 7302, पवन पोहरा - 22804, संतोष उपाध्या - 7905, डी.डी.पाठक - 7621, भूनेश्वर जायसवाल - 19588, विनय सिंह - 19815, अगरवत दीक्षित - 18627, डी.अम्बर सोनी - 22641, विनोद - 19472, विनय सिंह - 16549, सुनिल - 7114, गायत्री - 13291, विनोद जायसवाल - 17979, विनय सिंह - 2880, भूपेश - 18619, डी.अम्बर सोनी - 15298, बाबनी प्रधान - 6729, विजेन्द्र सिंह - 8780, देवनारायण - 16643, प्रमिला एक्का - 22957, नेहा - 10843, दिलीप सिंह - 16123, रैना वर्मिला - 2977, रजनी गुप्ता - 1880, अमरीन्द्र सिंह - 18375, विनय नायक - 13726, मनसा सिंह - 2291, सुनिल प्रसाद - 5831, तोमनी पांडिया - 2872, प्रमोद - 2195, अमन सिंह - 16091, राजवाड़ - 15503, खुशबू चन्दवे - 18823, मनोज - 6543, बिन्दा सिंह - 21838, मो.प्रसाद अली - 17634, सविता - 2871, प्रशान्त रवा - 7858, अमृत - 17083, एम.एम.पाठक - 3111, लव साहू - 15469, लक्ष्मिन प्रजापति - 19759, विक्रम दुबे - 6019, अमृत सिंका - 5769, शिवशंकर ओझा - 11575, पुजा सिंह - 2607, हरिशंकर पांडिया - 16333, अंकित पाठक - 15176, नवनाथ नायक - 15594, खुशबू चन्दवे - 19337, अनपा पाठक - 15877, बन्धवाल - 1663, हरिशंकर पांडिया - 15454, लक्ष्मिन प्रजापति - 17436, बिन्दु - 8184, संदीप - 17955, राजमल - 21633, पुरुषोत्तम - 19655, दीपक सिंह - 9252, रिंपा - 20303, पुजा पैकरा - 5559, अब्दुल कलाम खान - 20406, शशि तिवारी - 18357, शैलेश सिंह - 15094, अशोक अग्रवाल - 9692, तोमनी पाठक - 2470, लोकन राम - 17552, नरेन्द्र भगत - 20640, उमेनी पाठक - 22649, पुजा सिंहमनी - 21227, दीपक पाठक - 12312, पुरुषोत्तम तिवारी - 20611, राय पाठक - 7012, राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता - 9878, सुशिला - 16004, पुरुषोत्तम तिवारी - 22955, नेहा - 22772, संतोष उपाध्या - 4770, रमाती खुशवाहा - 21893, गायत्री सिंह - 2597, अनपा पाण्डेय - 5067, भानमती हसदार - 15506, खुशबू चन्दवे - 13698, शैलेश ठाकुर - 21156, विक्रम सिंह - 14160, बनवा - 19184, मुनत प्रजापति - 2465, संदीप - 22756, संतोष उपाध्या - 1110, गणेश बाग - 22988, नेहा - 12741, भजवान सेवन - 5690, हमलेश - 2076, एम.डी.पाठक - 2485, लोकन राम - 18130, संतोष उपाध्या - 4383, रिंपा पैरी - 22242, अमीर खान - 2321, गौरीशंकर - 15377, खुशबू चन्दवे - 3660, अशोक खुशवाहा - 13491, डॉक्टर पैरी - 16365, संतोष उपाध्या - 14906, मोन त्रिपाठी - 9051, विनय गुप्ता - 17547, उमन कुमार पटेल - 10454, अमृत पाठक - 13453, तोमनी पांडिया - 16049, पुरुषोत्तम तिवारी - 15813, बन्धवाल - 6010, उमे - 16650, त्रिपाठी - 21987, गायत्री सिंह - 17573, सुनिल गुप्ता - 11200, बन्धनी - 20565, विक्रम सिंह - 20651, विन्दु - 7134, गायत्री - 17960, दुर्गा पैरा - 4042, प्रमन भगत - 22806, विनोद ठाकुर - 1767, बाबनी भौर्यवंशी - 1838, संतोष उपाध्या - 19153, राजेन्द्र त्रिपाठी - 13205, प्रमिला सिंह - 2176, अमन सिंह - 21743, अमरा ठाकुर - 22619, संतोष उपाध्या - 16650, पुरुषोत्तम तिवारी - 10547, लक्ष्मिन पैकरा - 21171, विक्रम सिंह - 22579, पप्पू खुशवाहा - 11240, सविता सोनवानी - 16168, मो.जेन - 13425, पोनेका सिंह - 12942, अनुराधा खुशवाहा - 18396, रामपुरवाहिया - 14468, लेखा सिंह - 6544, बिन्दा सिंह - 11562, बाबनी दीवे - 15587, खुशबू चन्दवे - 19783, विन्न दीवे - 1602, हरिशंकर पांडिया - 1853, संतोष उपाध्या - 20765, अमरा ठाकुर - 17739, बन्दीवान राय - 12548, सविता पाठक - 4438, बिन्दु खुशवाहा विकास - 18671, अमरा सिंह - 19701, अनीस नायक - 6847, प्रधानमन्त्र प्रसाद - 3819, गौरव त्रिपाठी - 9152, राय नारायण - 15017, प्रज्ञा त्रिपाठी - 18142, संतोष उपाध्या - 20747, अमरा सिंह - 20173, प्रमोद राम - 2830, सुगरा रजवाड़ - 18569, प्रमिला सिंह - 15862, गणेशी - 13426, पोनेका सिंह - 22380, लक्ष्मी दीवे - 15282, बाबनी प्रधान - 20941, विक्रम सिंह - 20508, शशि तिवारी - 19724, बनी नायक - 18687, अमरा सिंह - 20752, अंकित नागवंशी - 2521, अनपा त्रिपाठी - 4801, रमाती खुशवाहा - 13873, रघुनाथ सिंह - 19450, गौरव सिंह - 12400, पुजनी दास - 12677, सुनिल त्रिपाठी - 4184, त्रिलोकीनी - 8154, संदीप - 2470, लोकन राम - 1458, हरिशंकर पांडिया - 2297, सुनिल प्रसाद - 11099, अब्बास - 19977, डी.सुनिल कुमार - 1431, वीरा पाठक - 22805, संतोष उपाध्या - 15699, दीप जायसवाल - 4038, मन्ना - 14533, देव प्रसिंह - 8652, बबू पाठक - 3712, ब्रजेश - 18761, त्रिलिटर - 5159, त्रिपी दीवे - 7661, भूपेश जायसवाल - 18692, सुनिल - 19604, दयानिधु - 8588, मंजरी - 7656, भूपेश जायसवाल - 17668, अर्जन सिंका - 22500, उमाकर दास - 18266, तोमनी पांडेय - 6473, पुनम दीवे - 3640, भान प्रसाद - 6546, बिन्दा सिंह - 17353, अजेन नायक - 5729, दिपेश पुरे - 17664, खुशबू - 4372, रैना दीवे - 4287, अमित पाठक - 6628, बबू पाठने - 17877, सुशिल - 2162, अमन सिंह - 17539, पवन कुमार पटेल - 18228, मंजरी सिंका - 21053, रामकुल - 14176, त्रिपी रात्रा - 22523, अमरीश खुशवाहा - 17445, त्रिपी दीवे - 10423, भूपेश जायसवाल - 17640, बन्धवाल प्रसाद - 21740, अमरा ठाकुर - 13722, मनसा सिंह - 1671, हरिशंकर पांडिया - 10722, लिक्रिम नागवंश - 21500, पार्वती - 19363, अनपा पाठक - 17968, पुर्ती पैरा - 13104, लक्ष्मी - 11181, पुष्पलता - 14453, लेखा सिंह - 16565, दीपक कुमार - 5680, दीपक - 1623, हरिशंकर पांडिया - 2282, शिवशंकर सोनी - 21620, प्रमिला रवा - 4993, संझा त्रिपाठी - 21793, मंजरी सिंका - 22775, संतोष उपाध्या - 17288.

सिंका सिंह - 20913, प्रदीप राम - 16056, त्रिपाठी पटेल - 19668, गायत्री सिंह - 21887, मनीर खान - 22346, दीपिका - 9346, बाबनी सिंकपाल - 9331, सविता नायक - 14335, अब्दुल कलाम खान - 5512, संतोष दास - 13788, लक्ष्मीन देवी - 7028, मनोज सिंह - 9296, बिन्दु - 17452, संझा सिंका - 21848, अमरा ठाकुर - 20763, मंजुलता प्रसाद - 22109, दीपिका - 16194, विनय त्रिपाठी - 3879, अजय नायक - 17349, रमाती दास - 12119, लक्ष्मीन वैरागनी - 11845, रमाती - 11336, गायत्री सिंह - 22047, दंडपी - 16697, प्रमन पोहरा - 7255, पुनम साहू - 20994, भूपेश जायसवाल - 7797, सिंका सिंह - 20944, गायत्री सिंह - 21914, मो.सलमा - 9395, सुगरा - 2031, उमा जायसवाल - 15180, उमेनी पाठक - 19973, देव दीवे - 18220, एम.डी.गौरी - 21718, अमरा ठाकुर - 21744, रमनी दीवे - 4621, विनय भौर्यवंशी - 5876, बेबी अग्रवाल - 19126, डी.एम.राम - 7929, खलीना - 7050, दिनेश - 16804, अशोक खुशवाहा - 3575, एम.डी.पाठक - 2105, मंजुल दुबे - 10320, प्रदीप सिंह - 20089, राजवाड़ - 7324, अब्दुल कुद्दुस - 14568, सिंका सिंह - 20935, संतोष कुमार - 20179, सुनिल - 1948, मंजुला - 1824, मनोहर राजवाड़े - 1146, मनमे - 17948, सविता पाठक - 12532, त्रिपाठी विनय - 13031, मनिष - 18804, दिनेश डिहरी - 13987, रंजनी - 13752

C M Y K

इस त्यौहार
महामाया होंडा लायें हैं
ट्रिपल धमाका





दीपावली की शुभकामनाएं

HONDA

GST
28% से 18% होने पर
₹ 7000 से ₹ 19000 तक
की बचत
1

स्क्रेच एंड विन ऑफर्स
प्रत्येक खरीदी पर
₹ 2100 से ₹ 1,00,000 तक
का निश्चित उपहार
2

₹ 2100
का आकर्षक एक्सचेंज ऑफर
3

₹4999/-* | Low Down Payment
सिर्फ आधार कार्ड पर
गाड़ी फाइनेंस *
6.99%* | Interest Rate
₹49/- Per Day | LOW EMI

SHRIRAM
IDFC FIRST Bank
Chola
HDFC BANK
We understand your world
BAJAJ FINSERV
AU SMALL FINANCE BANK
BERAR FINANCE LIMITED

SCRATCH & WIN!



हेलमेट
5 लीटर पेट्रोल
फ्री*

कहीं देर ना हो जाये
जल्द से जल्द बुक कराये

महामाया होंडा
मनेन्द्रगढ़ रोड, अम्बिकापुर (छ.ग.)
7489026000, 7489027000

धनतेरस एवं दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएं...

KJ











स्वर्ण एवं रजत
आभूषणों का
विशाल संग्रह

कंचन ज्वेलर्स
सदर रोड अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)
फोन - 07774-222309

उच्च गुणवत्ता वाले हॉलमार्क सोने
एवं चांदी के जेवर

धनतेरस एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...

कंचन ज्वेलर्स

Since : 1928

KJ

स्वर्ण एवं रजत आभूषणों का विशाल संग्रह



81: हॉलमार्क चांदी के जेवर एवं 22 कैरेट 91.60 हॉलमार्क स्वर्ण आभूषण

सदर रोड अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

07774-222309, 9425585578